सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

प्रेगनेंट महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद होती है चॉकलेट पेज: 7

वाइल्डकार्ड एंट्री से लॉकअप 2 में पहुंचीं शिल्पा शिंद पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 96 | शुक्रवार 10 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

राम मंदिर चंदा घोटाला: अखिलेश यादव ने विश्वास के पुनर्गठन की मांग की, बीजेपी पर साधा निशाना

नई दिल्ली एजेंसी: आरोपियों से पूछताछ जारी रहने के बीच, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को अयोध्या राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित गड़बड़ियों को लेकर बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इसे सनातन धर्म में महापाप बताया और मंदिर ट्रस्ट के पूरी तरह से पुनर्गठन की मांग की। लखनऊ में आध्यात्मिक गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के कार्यक्रम में उनसे मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा कि अयोध्या में उन्होंने अपने स्वार्थ के लिए भगवान श्री राम की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने 'महापाप' किया है। यादव ने आगे कहा कि हमारे सनातन धर्म में धार्मिक चढ़ावे या दान में चोरी करने से बड़ा कोई पाप नहीं है। हर गांव और घर में इस बात पर चर्चा हो रही है कि उन्होंने दान और चढ़ावे का प्रबंधन कैसे किया। हमारा हिंदू धर्म और सनातनी लोग बहुत भावुक हैं

अवैध इमारतों पर एससी का चाबुक, एमसीडी अफसरों से पूछा- सिर्फ निमार्ता क्यों, अपने अधिकारियों पर क्या एक्शन?

नई दिल्ली एजेंसी: देश भर में गैर-कानूनी और असुरक्षित इमारतों और ढांचों से जुड़े एक मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ, पटना और तमिलनाडु में नगर निगमों और विकास प्राधिकरणों के सीनियर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने उनसे उन इमारतों के खिलाफ की गई कार्रवाई की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है, जिनसे सुरक्षा का गंभीर खतरा है। दिल्ली के साकेत में हाल ही में इमारत गिरने की दुखद घटना और दिल्ली के मालवीय नगर व लखनऊ के अलीगंज में आग लगने की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कोर्ट के 20 मई के आदेशों के पालन में की गई कार्रवाई की

जानकारी कोर्ट के सामने रखें। संबंधित अधिकारियों को 4 अगस्त को सुनवाई की अगली तारीख पर कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहने का भी निर्देश दिया गया है। कोर्ट ने साकेत, मालवीय नगर और लाजपत नगर का तय समय-सीमा के भीतर जमीनी सर्वे करने के लिए ककक दिल्ली के दो सीनियर प्रोफेसरों और दो ड्राफ्ट्समैन की एक विशेष टीम बनाने का भी निर्देश दिया। इस टीम के साथ दिल्ली नगर निगम के अधिकारी भी होंगे। सरोजिनी नगर में भी इसी तरह की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जो नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) के अधिकार क्षेत्र में आता है। कोर्ट ने कहा कि इस प्रक्रिया में कोई "लापरवाही" नहीं होनी चाहिए और समिति को एक ईमानदार रिपोर्ट सौंपनी चाहिए। कोर्ट ने कहा, "हम यह स्पष्ट करते हैं कि समिति द्वारा ईमानदार रिपोर्ट देने के मामले में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अगर कोई संदेह पैदा होता

इस टीम के साथ दिल्ली नगर निगम के अधिकारी भी होंगे।

कोर्ट ने साकेत, मालवीय नगर और लाजपत नगर का तय समय-सीमा के भीतर जमीनी सर्वे करने के लिए IIT दिल्ली के दो सीनियर प्रोफेसरों और दो ड्राफ्ट्समैन की एक विशेष टीम बनाने का भी निर्देश दिया। इस टीम के साथ दिल्ली नगर निगम के अधिकारी भी होंगे।

है, तो हम रिपोर्ट की ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए इस कोर्ट से एक विशेष टीम भेज सकते हैं। कोर्ट ने 'एमिकस क्यूरी' (कोर्ट द्वारा नियुक्त वकील) की इस बात से भी सहमति जताई कि अधिकारी केवल "अपनी साख बचाने की कोशिश" कर रहे हैं। वे इमारत गिरने और आग लगने की घटनाओं के बाद सिर्फ. बिल्डरों को गिरफ़्तार करते हैं, लेकिन अपने उन अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते जो अवैध निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई करने में नाकाम रहे। कोर्ट ने कहा, "अधिकारी केवल अपनी साख बचाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि सिर्फ. बिल्डरों को गिरफ़्तार किया जा रहा है और अधिकारियों या निगमों के किसी भी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपनी रिपोर्ट में ऐसी नाकामियों के लिए ज़िम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों के नाम बताएं। कोर्ट ने 'हिंदुस्तान टाइम्स' अखबार के दिल्ली संस्करण में छपी हालिया खबर पर भी ध्यान दिया, जिसमें बताया गया था कि गुरुग्राम में 93 प्रतिशत संस्थान आग से सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इस मामले में, कोर्ट ने गुरुग्राम विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने और 20 मई के निदेशों के पालन में उठाए गए वास्तविक कदमों का विवरण देते हुए रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

नीट घोटाला: सीजेपी का 20 जुलाई को संसद मार्च, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली एजेंसी: कॉकरोच जनता पार्टी, जिसके जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन का गुरुवार को 20वां दिन था, ने घोषणा की कि वह मॉनसून सत्र के पहले दिन, यानी 20 जुलाई को संसद तक विरोध मार्च निकालेगी। युवाओं के नेतृत्व वाले इस संगठन ने, जो परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है, दिल्ली पुलिस पर आरोप लगाया कि भारी बारिश के बावजूद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को विरोध स्थल पर तिरपाल लाने से रोका। गुरुवार सुबह जारी एक बयान में सीजेपी ने कहा कि 20 जुलाई को संसद तक उनका मार्च जंतर-मंतर से शुरू होगा। इस मार्च में शिक्षाविद और क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल होंगे, जो 28

जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। सीजेपी ने देश भर के छात्रों, अभिभावकों और नागरिकों से इस मार्च में शामिल होने की अपील की है, ताकि उन छात्रों को न्याय मिल सके जिन्होंने कथित तौर पर अनियमितताओं के कारण नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने के बाद अपनी जान दे दी थी। बुधवार रात को एक पोस्ट में वांगचुक ने देशभर के लोगों से मार्च में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि संसद इस मुद्दे को उठाने के लिए सबसे उपयुक्त मंच है। उन्होंने कहा कि मेरी भूख हड़ताल तोड़ने के लिए आप सभी के संदेशों के लिए धन्यवाद, लेकिन इससे न तो आत्महत्या करने वाले 20 छात्रों की मदद होगी और न ही लद्दाख के पहाड़ों या भारत की नदियों की रक्षा होगी। वांगचुक की पोस्ट में लिखा था कि अगर आप सच में मदद करना चाहते हैं, तो आरामदायक सोफे पर बैठकर सिर्फ. मैसेज भेजने से कहीं ज्यादा कुछ कीजिए; 20 जुलाई को दिल्ली आइए और जंतर-मंतर पहुँचिए, जब भारतीय संसद का मॉनसून सत्र शुरू होगा। हम सब मिलकर संसद तक एक बहुत ही शांतिपूर्ण मार्च निकालेंगे और अपने सम्मानित सांसदों से अपील करेंगे कि वे इस मुद्दे को उठाएँ और इसका कोई स्थायी समाधान निकालें। इस बीच, सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दिपके ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वे भारी बारिश के बावजूद विरोध स्थल पर तिरपाल लगाने से कथित तौर पर मना करने को लेकर दिल्ली पुलिस के जवानों से बहस करते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में दिपके ने

सीएम योगी का विपक्ष पर निशाना, कहा- सपा-कांग्रेस सनातन का अपमान करते हैं, बीजेपी विरासत बचा रही है

बांदा एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर सनातन परंपराओं का अपमान करने और प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थलों के विकास का विरोध करने का आरोप लगाया। बांदा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की 'डबल-इंजन' सरकार देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम आदित्यनाथ यहां 710 करोड़ रुपये की 229 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने सपा और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदू परंपराओं और सनातन धर्म को अपमानित करना ही अपना 'एकमात्र

ध्येय' बना लिया है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, 'सपा और कांग्रेस को अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर अच्छा नहीं लगता, उन्हें काशी में काशी विश्वनाथ धाम अच्छा नहीं लगता, उन्हें मिर्जापुर में मां विंध्यवासिनी का भव्य धाम, चित्रकूट धाम के सौंदर्यीकरण के लिए किए जाने वाले प्रयास भी अच्छे नहीं लगते।' मुख्यमंत्री योगी ने यह भी आरोप लगाया कि विरासत के संरक्षण और मंदिरों के सौंदर्यीकरण के लिए जनप्रतिनिधियों द्वारा दिया जाने वाला धन सपा के शासनकाल में कब्रिस्तान की चहारदीवारी बनाने के लिए खर्च किया जाता था। उन्होंने कहा, 'सपा को कब्रिस्तान से प्यार है इसलिए वह राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, मां विंध्यवासिनी धाम, नैमिषारण्य और चित्रकूट धाम के विकास का विरोध करते हैं।' पिछली सरकारों पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'याद करिए, सपा और कांग्रेस के लोगों ने बुंदेलखंड को डकैत दिए थे। नौजवानों को नौकरी तो नहीं दी लेकिन उनके हाथ में तमंचे पकड़ा दिए थे। हमारी सरकार अब बुंदेलखंड को रक्षा विनिर्माण गलियारे का एक केंद्र बना रही है।' उन्होंने आगे कहा कि इस गलियारे के माध्यम से ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें बनती हैं और जब भारत वह मिसाइल अपने दुश्मन पर दागता है तो पाकिस्तान भी 'बाप-बाप' करके चिल्लाता है।

अपने संबोधन में आदित्यनाथ ने बांदा जिले के बबेरू से सपा विधायक विशंभर सिंह यादव पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि बांदा जिले में भाजपा के विधायक तो विकास कार्यों में रुचि लेते हैं

हिमाचल में व्यापार करना होगा आसान, सीएम सुक्खू ने सिंगल विंडो सिस्टम सुधारने का दिया निर्देश

हिमाचल एजेंसी: हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने घोषणा की कि राज्य सरकार एक नई औद्योगिक नीति बनाने के अंतिम चरण में है, जिसे जल्द ही अधिसूचित किया जाएगा। यह घोषणा 9 जुलाई की शाम को उद्योग विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान की गई। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सुक्खू ने कहा कि यह नई पॉलिसी राज्य में निवेश लाने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने और हिमाचल प्रदेश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (कारोबार करने में आसानी) को और बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। सुक्खू ने इस बात पर जोर दिया कि यह पॉलिसी व्यापक और इंडस्ट्री-फ्रेंडली हो, इसके लिए सभी संबंधित पक्षों (स्टेकहोल्डर्स) से बातचीत की जा रही है। सरकार निवेश को आसान बनाने के लिए सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम को भी बेहतर बना रही है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार

'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पहल के तहत नियमों और प्रक्रियाओं को आसान बना रही है ताकि उद्योगपति आसानी से अपने उद्यम शुरू और संचालित कर सकें। पिछले साढ़े तीन वर्षों में इस दिशा में कई नीतिगत पहल और कानूनी सुधार किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने ऊना में बन रहे बल्क ड्रग पार्क और धर्मशाला में बन रहे यूनिटी मॉल के काम की समीक्षा की और अधिकारियों को दोनों प्रोजेक्ट्स में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बल्क ड्रग पार्क में निवेश के लिए पूरे देश की नामी कंपनियों को बुलाने पर जोर दिया और बताया कि 2,071 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट से युवाओं के लिए रोजगार के बड़े मौके पैदा होंगे। लगभग 800 बीघा जमीन को समतल कर दिया गया है और साइट डेवलपमेंट का काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने अधिकारियों को कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट और स्टीम जनरेशन सुविधा का काम 15 जुलाई तक पूरा करने का निर्देश दिया। धर्मशाला में यूनिटी मॉल प्रोजेक्ट के बारे में सुक्खू ने बताया कि 66 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी कर दी गई है और साइट डेवलपमेंट का काम चल रहा है।

महाराष्ट्र में यूसीसी पर बड़ा कदम, जस्टिस रंजना देसाई की अगुवाई में कमेटी गठित

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का मसौदा तैयार करने के लिए सात सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस रंजना देसाई करेंगी। विधानसभा में घोषणा करते हुए फडणवीस ने बताया कि इस पैनल में हाई कोर्ट के पूर्व जज आर.सी. चव्हाण और एस.जी. मेहरे, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव डीके जैन, पूर्व एडवोकेट जनरल वीरेंद्र सराफ, संवैधानिक मामलों के जानकार रमेश पतंगे और शिक्षाविद सुवर्णा रावल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि समिति छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंप देगी। उन्होंने कहा कि हम नागपुर में राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कानून पेश करने की कोशिश करेंगे। संविधान में राज्य के नीति-निर्देशकों का ज़िक्र करते हुए फडणवीस ने कहा कि इसी के तहत, यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने का खाका तैयार करने के लिए जस्टिस (रिटायर्ड) रंजना देसाई की अध्यक्षता में सात सदस्यों वाली एक कमिटी बनाई गई है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि समिति यूसीसी से जुड़े सभी कानूनी, सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं की विस्तृत जांच करेगी और छह महीने के भीतर राज्य सरकार को सिफारिशों के साथ एक रिपोर्ट सौंपेगी। इसके बाद सरकार समिति की सिफारिशों के आधार पर यूनिफॉर्म सिविल कोड का ड्राफ्ट तैयार करेगी। फडणवीस ने आगे कहा कि सरकार का लक्ष्य नागपुर में होने वाले आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान विधानसभा और विधान परिषद दोनों में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पेश करना और उसे पारित कराना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार महाराष्ट्र में यूसीसी को लागू करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने के लिए

अशोक गहलोत बोले: राम मंदिर ट्रस्ट तुरंत भंग करो, देरी से बढ़ी नाराजगी

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी के मामले में जांच एजेंसियों और राजनीतिक नेतृत्व की तरफ से देरी से की गई कार्रवाई की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि मंदिर के फंड का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट को सबूतों के साथ छेड़छाड़ का पता चलने के तुरंत बाद ही भंग कर दिया जाना चाहिए था। गहलोत ने इस मामले के सामने आने के शुरूआती दिनों में चुप्पी साधे रखने के लिए बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कड़ी आलोचना की। गहलोत ने सवाल किया कि कार्रवाई कब होगी? जब इस घटना की जानकारी पहली बार सामने आई, तो सीसीटीवी फुटेज डिलीट कर दिया गया था। तुरंत की जाने वाली कार्रवाई ट्रस्ट को भंग करना और जांच शुरू करना होनी चाहिए थी। बाद में, FIR दर्ज की गई, SIT बनाई गई और पहली गिरफ्तारी हुई। कई दिनों तक आरएसएस और बीजेपी की ओर से

कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। गहलोत ने आम नागरिकों के लिए मंदिर के भावनात्मक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि कथित घोटाले से देशभर के श्रद्धालुओं में निराशा और नाराजगी है। उन्होंने कहा कि लोगों ने दान दिया। जिन लोगों ने 10 रुपये दिए, वे भी उतना ही ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं, जितना 1 लाख रुपये देने वाले। अगर सच जल्दी सामने आता है और कार्रवाई होती है, तभी जनता शांत होगी; वरना हालात और बिगड़ सकते हैं। कथित गबन के मामले ने उत्तर प्रदेश में जबरदस्त राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है, जहाँ एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम इन गड़बड़ियों की जाँच कर रही है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव समेत विपक्ष के नेताओं ने राज्य सरकार से जवाबदेही की मांग की है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर के फंड का गलत इस्तेमाल करने के दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख़्त कार्रवाई का वादा किया है। उत्तर प्रदेश सरकार को सौंपी गई एसआईटी की शुरूआती रिपोर्ट में राम मंदिर में दान की गिनती के दौरान चोरी और हेराफेरी के शुरूआती सबूत मिले हैं।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कैसे बदली देवभूमि की तस्वीर, कानून से इंफ्रा तक बड़ा बदलाव

उत्तराखंड एजेंसी: उत्तराखंड में पिछले पांच वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार ने नीतिगत निरंतरता, शासन सुधार और योजनाओं को जमीन पर उतारने पर विशेष ध्यान दिया है। राजनीतिक अस्थिरता के पुराने दौर से बाहर निकलकर इस सरकार को प्रशासनिक निरंतरता का पूरा लाभ मिला है। सरकार ने इस स्थिरता का उपयोग लंबे समय से लंबित विधायी सुधारों को पूरा करने और इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए किया है। प्रशासन का मानना है कि इस स्थिर शासन से नीतियों को तेजी से लागू करने, पारदर्शिता बढ़ाने और राज्य के दीर्घकालिक विकास की मजबूत नींव तैयार हुई है। यूनिफॉर्म सिविल कोड का ऐतिहासिक निर्णय धामी सरकार के सबसे बड़े और ऐतिहासिक सुधारों में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लागू करना शामिल है, जो 27 जनवरी 2025 से पूरे राज्य में प्रभावी हो चुका है। इसके साथ ही उत्तराखंड विवाह, तलाक, संपत्ति के उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप के लिए एक समान नागरिक कानून लागू करने वाला देश

का पहला राज्य बन गया है। इस कानून ने धर्म-आधारित व्यक्तिगत नागरिक कानूनों की जगह ले ली है। सरकार के अनुसार, इस कानून का उद्देश्य कानूनी एकरूपता और लैंगिक न्याय को बढ़ावा देना है, साथ ही बाल विवाह, बहुविवाह, तीन तलाक, हलाला और इद्दत जैसी प्रथाओं पर रोक लगाना है। देश का सबसे सख्त एंटी-कॉर्पोरेट कानून भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामलों पर कड़ा एक्शन लेते हुए राज्य सरकार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड, देश के सबसे सख्त नकल विरोधी कानून और कड़े धर्मांतरण विरोधी कानून जैसे ऐतिहासिक सुधारों को लागू किया है, जिनका उद्देश्य राज्य में कानून व्यवस्था को मजबूत करना और शासन में पारदर्शिता लाना

ने उत्तराखंड सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम और निवारण के उपाय) अधिनियम, 2023 लागू किया। इसे देश के सबसे कड़े नकल विरोधी कानूनों में से एक माना जाता है। इस कानून के तहत संगठित रूप से नकल कराने वाले रैकेट, कोचिंग संस्थानों, सर्विस प्रोवाइडर्स और प्रिंटिंग प्रेसों के शामिल होने पर आजीवन कारावास और 10 करोड़ रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है। इसके अलावा, अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वाले उम्मीदवारों को भी जेल, भारी जुमार्ने और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं से 10 साल तक के लिए प्रतिबंधित किए जाने की सजा मिल सकती है। दंगाईयों और उपद्रवियों से नुकसान की वसूली राज्य में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उत्तराखंड सार्वजनिक और निजी संपत्ति नुकसान वसूली अध्यादेश, 2024 लाया गया। यह कानून अधिकारियों को दंगों, विरोध प्रदर्शनों, हड़तालों और बंद के दौरान सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले उपद्रवियों से ही नुकसान की पूरी भरपाई करने का अधिकार देता है। इसमें पुलिस और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा स्थिति को नियंत्रित करने में हुए खर्च की वसूली का भी नियम है, साथ ही 8 लाख रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है। इन मामलों की सुनवाई के लिए

संपादकीय

गैंगवार पर वार

अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई व गोल्डी बराड़ के खिलाफ कई देशों में कार्रवाई करते हुए दो दर्जन लोगों को गिरफ्तार करने और नशीले पदार्थ व हथियार बरामद करने का दावा किया है। इतना ही नहीं कई अपराधों में वांछित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर भी एफबीआई ने पचास हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष का दावा है कि इन गैंगों के गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई में एफबीआई, लॉस एंजिल्स पुलिस, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस तथा अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका की यह ताबड़-तोड़ कार्रवाई कनाडा सरकार की उस घोषणा के तुरंत बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कनाडा के निज्जर हत्याकांड में भारत की कोई भूमिका नहीं थी। उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित निज्जर हत्याकांड को लेकर पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार ने भारत सरकार के एक अधिकारी पर संलिप्तता के आरोप लगाए थे। जिसके चलते भारत व कनाडा के रिश्ते सबसे निचले स्तर तक जा पहुंचे थे। लेकिन नई सरकार ने ट्रूडो की थ्योरी को नकार दिया था। जिसके बाद ही अमेरिका की यह तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कनाडा पुलिस के सूत्रों के अनुसार अमेरिका लारेंस बिश्नोई के प्रत्यारोपण की मांग करेगा। फिलहाल बिश्नोई गुजरात की एक जेल में 2015 से बंद है। बहरहाल, अमेरिकी एजेंसियों द्वारा चलाए गए ह्यहॉर्ड बॉल ऑपरेशनह्ल में जिन 24 लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं, उन पर भारत से जुड़े संगठित अपराधी गुटों से संबंध होने का आरोप लगाया है। लॉरेंस और गोल्डी बराड को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है, जिसमें साल 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश में शामिल होना भी है। बाकायदा अमेरिका ने बिश्नोई को निज्जर हत्याकांड में आरोपी बनाया है। उधर लॉस एंजिल्स के संघीय अभियोजकों का दावा है कि ये गिरफ्तारियां कई साल तक चली जांच का नतीजा हैं, जो भारतीय अपराधी गिरोहों पर केंद्रित रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में 37 अभियुक्तों पर आरोप लगाए गये हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका की नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। ऐसे में भारतीय गैंगस्टरों पर की जा रही ताबड़-तोड़ कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। निस्संदेह, गैंगवार पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन सवाल इस कार्रवाई की टाइमिंग को लेकर है। इससे ठीक पहले कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड में भारत की किसी भूमिका को खारिज किया था। अमेरिका का आकलन है कि राष्ट्रवाद के नाम पर

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भूत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मुफ्त दवा योजना पर संकट नहीं समाधान की जरूरत

कांतिलाल मांडोत

जीवनरक्षक दवाओं की कमी गरीब मरीजों के लिए गंभीर चुनौती लेकिन समय रहते व्यवस्था सुधारकर सरकार भरोसा फिर मजबूत कर सकती है...

राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल केवल एक चिकित्सा संस्थान नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लाखों मरीजों की उम्मीद का सबसे बड़ा केंद्र है। हर दिन हजारों मरीज दूर-दराज के गांवों और कस्बों से यहां इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि उन्हें बेहतर इलाज के साथ सरकार की निशुल्क दवा योजना का लाभ मिलेगा। लेकिन जब इलाज के बाद डॉक्टर की लिखी दवाएं अस्पताल के काउंटर पर उपलब्ध नहीं होतीं तो मरीज और उसके परिजनों की चिंता कई गुना बढ़ जाती है। हाल के दिनों में जीवनरक्षक दवाओं सहित बड़ी संख्या में दवाओं की अनुपलब्धता की खबरें सामने आई हैं। यह स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है और इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

गरीब और मध्यम वर्ग का बड़ा हिस्सा सरकारी अस्पतालों पर निर्भर रहता है। निजी अस्पतालों और मेडिकल स्टोर से दवाएं खरीदना हर परिवार के लिए आसान नहीं होता। विशेष रूप से कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गंभीर बीमारियों के मरीजों के लिए नियमित दवाएं जीवन का आधार होती हैं। यदि ऐसी दवाएं समय पर नहीं मिलें तो बीमारी बढ़ सकती है और आर्थिक बोझ भी कई गुना बढ़ जाता है। यही कारण है कि निशुल्क दवा योजना को राजस्थान की सबसे महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में गिना जाता है। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में जिन मरीजों को एक काउंटर से दूसरे काउंटर तक भेजा गया, कई दिनों बाद आने के लिए कहा गया या फिर बाहर से दवा खरीदने की सलाह दी गई, उनकी परेशानी को सहज रूप से समझा जा सकता है। जो मरीज सैकड़ों किलोमीटर दूर से किराया खर्च करके अस्पताल पहुंचता है, उसके लिए केवल दवा ही नहीं बल्कि दोबारा आने-जाने का खर्च भी बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे मरीजों के सामने यह प्रश्न खड़ा हो जाता है कि वह इलाज कराए या परिवार का खर्च चलाए।

यह भी सच है कि यह समस्या केवल जयपुर तक सीमित नहीं दिखाई देती। प्रदेश के कई सरकारी अस्पतालों में समय-समय पर कुछ दवाओं की कमी की शिकायतें सामने आती रही हैं। कहीं सप्लाई में देरी होती है तो कहीं खरीद प्रक्रिया पूरी होने तक मरीजों को इंतजार करना पड़ता है। इससे सरकार की अच्छी योजनाओं की छवि प्रभावित होती है। जनता यह नहीं देखती कि कमी किस स्तर पर हुई है। उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह होती है कि अस्पताल पहुंचने पर दवा मिलनी चाहिए।

हालांकि इस पूरे विषय को केवल आलोचना के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। राजस्थान सरकार ने पिछले कई वर्षों में चिकित्सा सुविधाओं का उल्लेखनीय विस्तार किया है। नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, जिला अस्पतालों का सुदृढ़ीकरण, मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना और निशुल्क जांच योजना जैसी पहल ने लाखों गरीब परिवारों को राहत दी है। यदि ये योजनाएं नहीं होतीं तो गरीब मरीजों का इलाज और भी कठिन हो जाता। इसलिए यह कहना उचित होगा कि योजना में कमी नहीं है बल्कि उसके क्रियान्वयन के कुछ हिस्सों में सुधार की आवश्यकता है।

अस्पताल प्रशासन का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि कुछ दवाएं राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड से उपलब्ध नहीं हो पातीं तो स्थानीय स्तर पर खरीद की जाती है। कई बार आपूर्ति करने वाली कंपनियों की ओर से विलंब होने के कारण अस्थायी समस्या उत्पन्न हो जाती है। यदि वास्तव में ऐसा है तो इसका समाधान भी प्रशासनिक स्तर पर संभव है। दवाओं की उपलब्धता का नियमित आकलन, समय रहते नई खरीद प्रक्रिया और वैकल्पिक व्यवस्था से इस प्रकार की कठिनाइयों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य व्यवस्था जितनी बड़ी होती है, चुनौतियां भी उतनी ही अधिक होती हैं। राजस्थान जैसे विशाल राज्य में करोड़ों लोगों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना आसान कार्य नहीं है। दवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है और कई बार अनुमान से अधिक मरीज आने के कारण स्टॉक जल्दी समाप्त हो जाता है। इसलिए इस समस्या को केवल लापरवाही कह देना भी पूरी तस्वीर नहीं दशार्ता। आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्य विभाग, अस्पताल प्रशासन और दवा आपूर्ति एजेंसियां मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिससे आवश्यक दवाओं का भंडार हमेशा सुरक्षित रहे। तकनीक का बेहतर उपयोग भी इस दिशा में बड़ा समाधान बन सकता है। यदि सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं का ऑनलाइन स्टॉक रियल टाइम अपडेट हो तो यह पहले ही पता चल जाएगा कि कौन सी दवा कितनी मात्रा में बची है और कब नई खेप की आवश्यकता होगी। इससे आपूर्ति में होने वाली देरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। मरीजों को भी मोबाइल या हेल्पलाइन के माध्यम से यह जानकारी मिल सके कि संबंधित दवा किस अस्पताल में उपलब्ध है। इससे उन्हें अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

साथ ही अस्पतालों में मरीजों के साथ संवाद की व्यवस्था भी बेहतर होनी चाहिए। यदि किसी दवा की अस्थायी कमी है तो मरीज को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि दवा कब तक उपलब्ध होगी या उसका सुरक्षित विकल्प क्या है। कई बार जानकारी के अभाव में मरीज अधिक परेशान हो जाता है। संवेदनशील व्यवहार और स्पष्ट सूचना भी आधी समस्या का समाधान कर देती है। इस विषय में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहने के बजाय स्थानीय स्तर पर समस्याओं की जानकारी सरकार तक पहुंचानी चाहिए। जहां भी दवा की कमी हो, वहां तत्काल समाधान के लिए प्रयास होने चाहिए। स्वास्थ्य सेवा राजनीति का नहीं बल्कि मानवता का विषय है। इसलिए सभी पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए।

सरकार के सामने यह अवसर भी है कि वह इस घटना को एक चेतावनी के रूप में लेकर पूरे प्रदेश में दवा आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करे। जिन अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाओं की कमी है वहां तत्काल अतिरिक्त स्टॉक भेजा जाए। खरीद प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी तथा तेज बनाया जाए। जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होती है, वहां जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। इससे जनता का विश्वास और मजबूत होगा।

पेट्रोल में एथनाल : आखिर ये माजरा क्या है?

निर्मल रानी

भारत में इन दिनों पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल का मिश्रण किये जाने यानी ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से होने वाले नुक़्सान को लेकर बहस छिड़ गयी है। इसके प्रयोग से देश भर से वाहनों के इंजन खराब होने की खबरें मीडिया में आने लगी हैं। ई20 उपभोक्ता अब न केवल इसकी शिकायतें करने लगे हैं बल्कि जगह जगह इसे लेकर धरना प्रदर्शन भी होने लगे हैं। गत दिनों तो दिल्ली के जंतर मंतर पर भी ई20 मिश्रित पेट्रोल के विरोध में प्रदर्शन किया गया।और इससे वाहनों को होने वाले नुक़्सान को लेकर सरकार को अवगत कराया गया। भारत में हो रहे इसके विरोध व इसके इस्तेमाल से आ रही परेशानियों व वाहनों को हो रहे कथित नुक़्सान की खबरों के बीच पड़ोसी देश भूटान ने भी भारतीय तेल कंपनियों से एथनाल मिश्रित ई 20 पेट्रोल वहां न भेजने व केवल पूर्व में भेजा जा रहा केवल शुद्ध XP100 जैसे पेट्रोल की आपूर्ति करने को कहा है। भूटान द्वारा इसका कारण यह बताया गया है कि पेट्रोल पंपों पर भण्डारण के पुराने भूमिगत फ़्यूल टैंक में ई 20 पेट्रोल के भण्डारण की वजह से पानी के रिसाव का जोखिम है जिससे एथनाल मिश्रित ईंधन खराब हो सकता है। क्योंकि इथेनॉल की प्रवृति नमी को आकर्षित करने वाली होती है और वातावरण से नमी लेने पर ईंधन की गुणवत्ता घट सकती है और इंजन में अनेक प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा पहाड़ी इलाके में स्टोरेज और सप्लाई श्रृंखला को आधुनिक करना भी आवश्यक होगा, जिसमें तत्काल परिवर्तन करना जोखिमपूर्ण माना गया। भूटान द्वारा अपनी आपत्ति में पहाड़ी रास्तों में वाहन के परफार्मेंस पर भी फर्क पड़ने का संदेह व्यक्त किया गया है।

भारत में भी देश भर से गाड़ियों के खराब होने,गाड़ियों की पेट्रोल टंकी के गलने व जंग लगने,माइलेज कम होने व इंजन के खराब होने तक की शिकायतें आने लगी हैं। और उधर इसी ई 20 पेट्रोल की आपूर्ति व खपत की आड़ में शुद्ध पेट्रोल यानी एक्सपी100 का मूल्य 167 रुपए प्रति लीटर तक हो गया है। एथनाल के उपयोग से केवल गाड़ियां ही खराब नहीं हो रही हैं बल्कि इसके उत्पादन में भी पानी का भी बेतहशा दुरूपयोग किया जा रहा है जिससे भविष्य में यह जलसंकट का कारण भी बन सकता है। गौरतलब है कि एथनॉल का उत्पादन चावल ,मक्का और गन्ना आदि की फसलों से होता है। और इन सभी फसलों की पैदावार में बेतहाशा पानी का इस्तेमाल होता है। इसके बाद जब इसी फसल से एथनॉल बनाया जाता है तो इसमें और भी ज्यादा पानी खर्च होता है। मिसाल के तौर पर चावल से 1 लीटर एथनॉल बनाने में लगभग 10790 लीटर पानी खर्च होता है जबकि मक्का से 1 लीटर एथनॉल बनाने में करीब 4670 लीटर पानी की खपत होती है इसी तरह गन्ने से मात्र 1 लीटर एथनाल बनाने में तकरीबन 3630 लीटर पानी लगता है। गोया पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण की नीति देश के जल बचाने के अभियान के ठीक विरुद्ध जलसंकट खड़ा करने में भी सहायक हो सकती है। जरा सोचिये कि जब ई20 पेट्रोल की आपूर्ति में जल का इतना इस्तेमाल होता है तो यदि भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की इच्छानुसार पेट्रोल में 85 प्रतिशत मिश्रण कर ई85 की आपूर्ति की योजना पर अमल किया गया तो भारत जैसे उस देश में पानी के अकाल को कैसे टाला जा सकेगा जहां के कई इलाकों में पहले ही पीने का पानी लोगों को मयस्सर नहीं है? हालांकि अब खबर यह भी आ रही है कि भारी विरोध के बीच केंद्र सरकार अब ई25 पेट्रोल को लागू करने की योजना को फिलहाल टाल सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार सरकार अब इस ई25 बदलाव को जल्दबाजी में लागू करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है।

देश में पेट्रोल में एथनाल के मिश्रण को लेकर कुछ जिम्मेदार लोगों के विरोधाभासी बयान भी सुनाई दे रहे हैं। इसकी वजह से आम लोगों में एथनाल के मिश्रण के प्रति अविश्वास व भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। मिसाल के तौर पर टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और एग्जीक्युटिव वाईस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने अपने एक इंटरव्यू में पहले तो यह स्वीकार किया था कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से बेशक फ़्यूल एफि शिएंसी में कुछ कमी आती है। परन्तु बाद में उन्होंने ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे परफॉर्मेंस के मामले में बेहतरीन ईंधन भी बता डाला। इसी तरह भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बायोफ़्यूलस के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनुराग सरावगी ने भी स्वीकार किया था कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने से गाड़ियों की माइलेज में 30 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। इतना ही नहीं बल्कि भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने गत 30 जून को सर्वोच्च न्यायलय में एक सुनवाई के दौरान अदालत को यह भी बताया कि ई-20 पेट्रोल का इस्तेमाल फिलहाल एक प्रयोग के तौर पर किया जा रहा है। इस बात के सार्वजनिक होने के बाद तो लोगों में और भी आक्रोश फैल गया कि आखिर प्रयोग के तौर पर उन्हें गिनी पिग अर्थात प्रयोग किये जाने वाला जीव क्यों बनाया जा रहा है। उसके बाद सरकार की तरफ से यह स्पष्टीकरण जारी किया गया कि अटॉर्नी जनरल के हवाले से कही जा रही बातें गलत हैं।

कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी एक तरह से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी की बातों का समर्थन करते हुए इस बात पर नाराजगी जताई कि 3.6 करोड़ भारतीय कार मालिकों पर इसतरह के प्रयोग क्यों किए जा रहे हैं ? उन्होंने कहा कि अभी भारत में 10 में से 9 गाड़ियां ई20 के अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह नीति आम सहमति के बिना और इसके होने वाले परिणामों को समझे बगैर लागू कर दी गई है। खड़गे ने यह भी कहा, हमारी गाड़ियों में इसे जबरदस्ती डालने के बाद आप राष्ट्रीय स्तर पर ईंधन बदलने की इस प्रक्रिया को प्रयोग नहीं कह सकते। उन्होंने कहा कि जब सरकार का अपना डेटा ही अभी तक तैयार नहीं है, तो नागरिकों को नुक़्सान साबित करने की चुनौती नहीं दी जा सकती। आम लोग गिनी पिग नहीं हैं न ही हमारी सड़कें टेस्ट ट्रैक हैं और देश के उपभोक्ताओं की जेबें सरकार के ट्रायल का बजट नहीं हैं। खड़गे ने ई20 को वापस लेने मांग करते हुये कहा कि सरकार पहले इसे प्रयोग के योग्य,स्वीकार्य व प्रमाणित ईंधन साबित करे, फिर इसे प्रयोग करने की नीति लागू करें। निश्चित रूप से पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण देश के वाहन धारकों के लिये फिलहाल एक समस्या बन गया है और सरकार द्वारा इसके पक्ष में दिए जा रहे तर्कों व विशेषज्ञों व इस नीति के आलोचकों द्वारा उठाये जा रहे बिंदुओं के बीच देश समझ ही नहीं पा रहा है की आखिर ये माजरा क्या है?

हिंद-प्रशांत में भारत का बढ़ता सामर्थ्य एवं साझेदारियां

भारत आज केवल विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति ही नहीं, बल्कि एक उभरती हुई वैश्विक महाशक्ति के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने जिस आत्मविश्वास, स्पष्टता और दूरदृष्टि का परिचय दिया है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा बदल दी है। कभी जो भारत अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए विदेशी हथियारों पर निर्भर था, वही भारत आज आधुनिक मिसाइलों, रक्षा प्रणालियों और सैन्य उपकरणों का निर्यात करने वाला विश्वसनीय राष्ट्र बन चुका है। यह परिवर्तन केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक, वैज्ञानिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति का भी प्रमाण है। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ हुई उच्चस्तरीय वार्ताएं इस नई विदेश नीति की सफलता का सशक्त उदाहरण हैं। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में हुए समझौते यह स्पष्ट करते हैं कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है।

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं। भारत की स्वदेशी अस्त्र मिसाइल और ब्रह्मोस मिसाइल आज केवल भारतीय सेना की शक्ति का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि विश्व के अनेक देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम भी बन रही हैं। पाकिस्तान के विरुद्ध आतंकवाद विरोधी अभियानों में इन हथियारों की प्रभावशीलता ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। यही कारण है कि इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश अपने सुखोई लड़ाकू विमानों के लिए अस्त्र मिसाइल प्राप्त करना चाहते हैं तथा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली खरीदने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह भारत के रक्षा उद्योग के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण है।

इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। मलक्का जलडमरूमध्य जैसे विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग पर उसकी रणनीतिक स्थिति वैश्विक व्यापार के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारत और इंडोनेशिया के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग केवल दो देशों के संबंधों को मजबूत नहीं करता, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को भी नया आयाम देता है। समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोध, रक्षा तकनीक, साइबर सुरक्षा और संयुक्त सैन्य अभ्यासों के माध्यम से दोनों देशों का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर होकर नहीं, बल्कि समान साझेदारी और परस्पर सम्मान के आधार पर संबंध स्थापित कर रहा है। भारत किसी देश पर अपनी शक्ति थोपने में विश्वास नहीं रखता। उसकी विदेश नीति का मूल मंत्र है-'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और 'विश्व बंधुत्व'। यही कारण है कि भारत जहां अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत कर रहा है, वहीं दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी विश्वासपूर्ण साझेदारी विकसित कर रहा है।

आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व राजनीति का केंद्र बन चुका है। चीन का विस्तारवादी रवैया, दक्षिण चीन सागर में उसका सैन्यीकरण, छोटे देशों पर दबाव बनाने की नीति तथा आर्थिक प्रभुत्व स्थापित करने के प्रयास विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। भारत ने इन परिस्थितियों में संतुलित, शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ रणनीति अपनाई है। भारत किसी के विरुद्ध युद्ध नहीं चाहता, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से कोई समझौता भी नहीं करता। यही संतुलित दृष्टिकोण भारत को विश्व का विश्वसनीय साझेदार बनाता है। भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के लिए स्पष्ट संदेश है कि नया भारत अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। भारत अब केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आधुनिक तकनीकी युद्ध की तैयारियों में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन इस दिशा में भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उन्होंने भारत की वैश्विक छवि को अभूतपूर्व ऊंचाई प्रदान की है। आज विश्व के बड़े राष्ट्र भारत को केवल विशाल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि विश्वसनीय मित्र, तकनीकी साझेदार, निवेश गंतव्य और सुरक्षा सहयोगी के रूप में देख रहे हैं। जी-20 की सफल अध्यक्षता, क्वाड की सक्रिय भूमिका, इंडो-पैसिफिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज तथा जलवायु परिवर्तन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व इसकी पुष्टि करता है। भारत की विदेश नीति अब केवल कूटनीतिक दस्तावेज नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय विकास का सशक्त माध्यम बन चुकी है। रक्षा निर्यात बढ़ने से विदेशी मुद्रा अर्जित हो रही है, लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं, अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति मिल रही है और भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो रहे हैं। यह विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र सदैव शांति, सह-अस्तित्व और परस्पर सम्मान रहा है। आदर्श स्थिति में किसी भी दो देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की नींव किसी तीसरे देश के प्रति वैमनस्य या शत्रुता पर नहीं, बल्कि साझा विकास, सुरक्षा और स्थिरता पर आधारित होनी चाहिए। किंतु अंतरराष्ट्रीय राजनीति आदर्शों से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों और शक्ति-संतुलन से संचालित होती है। आज चीन और पाकिस्तान अपने सैन्य एवं आर्थिक गठजोड़ को सऊदी अरब तक विस्तार देने के प्रयासों में जुटे हैं। हाल के सप्ताहों में सऊदी नेतृत्व और बीजिंग के बीच बढ़ती सक्रियता इस बदलते भू-राजनीतिक समीकरण का संकेत है। यद्यपि सऊदी अरब की प्राथमिक सुरक्षा चिंताएं पाकिस्तान और चीन से अलग हैं तथा उसका प्रमुख ध्यान खाड़ी क्षेत्र में ईरान के बढ़ते प्रभाव पर केंद्रित है, फिर भी बदलते वैश्विक समीकरण भारत के लिए सतर्क रहने का संदेश देते हैं। पाकिस्तान हर परिस्थिति में भारत के विरुद्ध रणनीतिक लाभ उठाने का अवसर तलाशता है, जबकि चीन अपने विस्तारवादी दृष्टिकोण के माध्यम से क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करने का प्रयास करता है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी, संतुलित और सक्रिय विदेश नीति भारत के हितों की प्रभावी सुरक्षा करती दिखाई देती है। उनकी कूटनीति केवल मित्र देशों के साथ विश्वास बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन और पाकिस्तान की शरारतों, षड्यंत्रों तथा सामरिक चुनौतियों का संयमित और दृढ़ता से सामना करने की क्षमता भी प्रदर्शित करती है। यही दूरगामी सोच भारत को एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। आज विश्व एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो शक्ति और शांति, विकास और सुरक्षा, तकनीक और मानवता के बीच संतुलन स्थापित कर सके। भारत इस भूमिका को सफलतापूर्वक निभाने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह सिद्ध किया है कि सशक्त राष्ट्र वही होता है जो अपनी रक्षा करने में सक्षम होने के साथ-साथ विश्व शांति और मानव कल्याण का भी वाहक बने। निस्संदेह भारत अब विस्तारवाद का नहीं, विकासवाद का प्रतीक है। वह हथियारों का निर्माण युद्ध भड़काने के लिए नहीं, बल्कि शांति की रक्षा और संतुलन स्थापित करने के लिए कर रहा है। यही भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार वैश्विक नेतृत्व की पहचान है। आने वाले वर्षों में भारत की यही संतुलित विदेश नीति, आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति और विश्वसनीय कूटनीतिक नेतृत्व न केवल विकसित भारत के स्वप्न को साकार करेगा, बल्कि विश्व व्यवस्था को भी अधिक सुरक्षित, संतुलित और न्यायपूर्ण दिशा प्रदान करेगा।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

अमरोहा
शुक्रवार 10 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा/बिजनौर

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

खंड बरेली-मुरादाबाद शिक्षक विधायक चुनाव की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को विक्टोरिया बैंक्विट हॉल में खंड बरेलीझमुरादाबाद शिक्षक विधायक चुनाव की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव का गुलदस्ता भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष मस्तराम यादव, शिक्षक विधायक प्रत्याशी दानिश अख्तर, पूर्व MLC परवेज अली, पूर्व मंत्री जगराम सिंह, नौगावाँ विधानसभा से विधायक समरपाल सिंह, पूर्व विधायक प्रीतम सिंह, पूर्व विधायक अशफाक अली खान, पूर्व MLC अजय मलिक, जितम्बर सिंह यादव, पप्पू सिंह यादव सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की मजबूती, शिक्षक हितों की रक्षा एवं आगामी शिक्षक विधायक चुनाव में ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत रणनीति पर चर्चा की गई। सभी ने एकजुट होकर चुनाव में जीत का संकल्प लिया।

मंडी धनौरा में भाकियू (असली) की प्रस्तावित रैली बरसात व खराब मौसम के कारण स्थगित

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में भारतीय किसान यूनियन (असली) की गुरुवार को होने वाली प्रस्तावित बाइक रैली खराब मौसम व बरसात के कारण स्थित कर दी गई। इसके अलावा रैली स्थगित करने की वजह संगठन के कार्यकर्ता के परिवार में किसी व्यक्ति के आकस्मिक निधन का होना भी रही। अब इस रैली को किसानों द्वारा आने वाली 13 जुलाई को सुबह 11 बजे निकाला जाएगा जिसको नगर के रामलीला मैदान से शुरू किया जाएगा और तहसील मुख्यालय पर समाप्त किया जाएगा। बता दें कि यह रैली गंगा एक्सप्रेसवे के लिए अधिग्रहीत की जा रही किसानों की जमीन के कम सर्किल रेट और भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के विरोध में आयोजित की जानी थी। भाकियू (असली) के कार्यकर्ता इन मुद्दों पर पिछले कई दिनों से जनसंपर्क कर रहे थे।रैली मूल रूप से 9 जुलाई को होनी थी, जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। हालांकि, लगातार दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और संगठन के एक सक्रिय कार्यकर्ता के बहनोई के निधन के कारण, मंडल अध्यक्ष चौधरी डूंगर सिंह ने सर्वसम्मति से इसे स्थगित करने का निर्णय लिया। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, बड़ी संख्या में किसान रामलीला मैदान में एकत्रित हुए थे, जिन्हें नई तारीख की जानकारी दी गई।यूनियन के नेताओं ने स्पष्ट किया कि किसानों की मांगें यथावत हैं। 13 जुलाई को होने वाली रैली के समापन पर, सर्किल रेट बढ़ाने और व्यापार समझौते के विरोध में एसडीएम धनौरा को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा।
इस दौरान मंडल अध्यक्ष चौधरी डूंगर सिंह, इस्त्याक अली, नरेश कुमार (कुआखेडा), दिनेश प्रधान (अम्हेड़ा), देशराज सिंह (पालनपुर), श्यामवली यादव, जुल्फीकार मलिक, अनवर अली, सोनू गिल मलहुपुरा, नन्हे सिद्धू सुनगढ और राजीव त्यागी मलकपुर सहित संगठन के कई पदाधिकारी व सैकड़ों किसान मौजूद थे।

रजबपुर में पुलिस कांस्टेबल द्वारा युवक को टक्कर मारने के मामले में कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर में पुलिस कांस्टेबल द्वारा एकयुवक को टक्कर मारने के मामले में थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर कांस्टेबल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इस कार्रवाई को पुलिस द्वारा पीड़ित गौतम सिंह निवासी ग्राम रझौहा जनपद अमरोहा द्वारा की गई शिकायत के आधार पर किया गया है। आरोप है कि एक पुलिस कांस्टेबल ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बता दें कि इस मामले में गौतम सिंह ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि 6 दिसंबर 2025 को सुबह करीब 10: 30 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल से अमरोहा जा रहे थे जब है नाजरपुर के निकट सड़क किनारे स्थित भारत पेट्रोल पंप पास पहुंचे तो पीछे से आ रही तेज रफ्तार बुलेट मोटरसाइकिल ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।आरोप है कि बुलेट को गजरौला थाना क्षेत्र के रहमापुर निवासी रविंद्र पुत्र राम सिंह चला रहा था, जो पुलिस विभाग में कांस्टेबल है। इस हादसे में गौतम सिंह का कुल्हा (हिप) टूट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गए।राहगीरों की सूचना पर 112 पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। गौतम सिंह को पहले सीएचसी जोया और बाद में हालत गंभीर होने पर मेरठ के लोकप्रिय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके दो ऑपरेशन हुए और वर्तमान में भी उनका उपचार जारी है।गौतम सिंह का आरोप है कि स्वस्थ होने के बाद उन्होंने थाना रजबपुर में शिकायत दी, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद 5 जून 2026 को उन्होंने पुलिस अधीक्षक अमरोहा को भी प्रार्थना पत्र दिया, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।कार्रवाई न होने पर गौतम सिंह ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय में दायर धारा 173(4) बीएनएसएस के प्रार्थना पत्र पर रजबपुर थाना पुलिस को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना कराने के आदेश दिए गए।न्यायालय के आदेश पर रजबपुर थाना पुलिस ने 8 जुलाई को नामजद आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी रजबपुर विकास सहरावत ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम जांच एवं वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

जनपद पुलिस ने शातिर अपराधियों पर कसा शिकंजा, 06 के खिलाफ गुंडा एक्ट में की गई कार्यवाही

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से अमरोहा पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना नौगावां सादात, थाना रजबपुर और थाना गजरौला पुलिस ने आपराधिक प्रवृत्ति के 06 शातिर अपराधियों के विरुद्ध गुण्डा एक्ट की धारा 3/4 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार ये सभी अभियुक्त क्षेत्र में भय एवं आतंक फैलाने, अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए गए थे। इनके विरुद्ध की गई कार्रवाई से क्षेत्र में कानून का भय स्थापित होगा। गुण्डा एक्ट के तहत साजिद उर्फ लंगड़ापुत्र मौ0 अख्तर, निवासी मौ0 नई बस्ती, थाना नौगावां सादात, उम्र 38 वर्ष, राहुल पुत्र बलवीर, निवासी ग्राम बावनपुरा माफी, थाना रजबपुर, उम्र 31 वर्ष, श्रवण पुत्र बलवीर, निवासी ग्राम बावनपुरा माफी, थाना रजबपुर, उम्र 26 वर्ष, रवि उर्फ राजेन्द्र पुत्र बलवीर, निवासी ग्राम बावनपुरा माफी, थाना रजबपुर, उम्र 30 वर्ष, सनुज पुत्र देवेन्द्र, निवासी ग्राम सलेमपुर गौसाईं, थाना गजरौला, उम्र 21 वर्ष, संजय पुत्र लहरी सिंह, निवासी गंगापुरी, थाना गजरौला, उम्र 48 वर्ष पर कार्यवाही की गई है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध इस प्रकार की कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

ऑपरेशन साइबर वज्र के तहत फर्जी Umoney एप से ठगी करने वाला गिरफ्तार, मोबाइल बरामद

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान "ऑपरेशन साइबर वज्र" के तहत थाना रहरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार को साइबर सेल एवं थाना रहरा पुलिस की संयुक्त टीम ने फर्जी "वेङ्कल्ली८" एप के माध्यम से लोगों से साइबर ठगी करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त लोगों को वरऊळ यानी क्रिप्टोकरेंसी खरीदने-बेचने पर अधिक लाभ कमाने का झांसा देकर ठगी करता था। इस संबंध में थाना रहरा पर पीड़ित की शिकायत पर मु0अ0सं0 161/2026 धारा 318(4) बीएनएस एवं 66ऊ आईटी एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना एवं साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त मुकुल पुत्र आनन्द, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम पौरारा, थाना रहरा, जनपद अमरोहा घटना में प्रयुक्त 01 मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।
गिरफ्तार अभियुक्त को विधिक कार्रवाई पूर्ण कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सोशल मीडिया पर निवेश, क्रिप्टोकरेंसी या अधिक मुनाफे का लालच देने वाले विज्ञापनों एवं अज्ञात एप्स के झांसे में न आएं। साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन या www. cybercrime .gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

अमरोहा से जिला बदर हुए दिग्विजय भाटी पर मेरठ में FIR

प्रदर्शनकारियों को भड़काने व सरकारी काम में बाधा डालने के मामले में हुई कार्यवाही

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर क्षेत्र निवासी भारतीय किसान यूनियन (बीआर अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी पर मेरठ में पुलिस द्वारा एक और एफआईआर दर्ज की गई है। मेरठ पुलिस द्वारा उनके खिलाफ की गई इस कार्यवाही को प्रदर्शनकारियों को भड़काने,सरकारी कामकाज में बाधा डालने और सड़क जाम करने सहित कई गंभीर मामलों में किया गया है।गौरतलब है कि दिग्विजय भाटी को बीती 26 जून 2026 को अमरोहा पुलिस द्वारा भी कार्रवाई करते हुए जिला बदर किया गया था। बता दें कि यह एफआईआर मेरठ के कमिश्नरी चौराहे पर हुए प्रदर्शन के संबंध में दर्ज की गई है। कुल 13 आरोपियों में दिग्विजय भाटी का नाम 12वें नंबर पर है। मेरठ पुलिस का कहना है कि भाटी और कुछ अन्य लोगों ने प्रदर्शन कर रही भीड़ को उकसाया, जिसके बाद हालात बेकाबू हो गए और सड़क पर जाम लग गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।गौरतलब है कि अमरोहा की हसनपुर थाना पुलिस ने 26 जून को दिग्विजय भाटी को छह महीने के लिए जिले से बाहर कर दिया था। उन्हें चेतावनी दी गई थी कि यदि वह इस अवधि में जिले की सीमा में पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, किसी मुकदमे की तारीख पर जिले में आने से पहले उन्हें अमरोहा पुलिस को सूचित करना अनिवार्य था। जिला बदर होने के बाद से भाटी अमरोहा की सीमा से बाहर हैं।मेरठ में यह प्रदर्शन टीपी नगर थाना क्षेत्र में दलित छात्रा ललिता गौतम की हत्या के विरोध में हुआ था। पीड़ित परिवार हत्यारोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट के बाहर धरने पर बैठा था। आरोप है कि कुछ लोगों ने इस दौरान पीड़ित परिवार और अन्य प्रदर्शनकारियों को भड़काया, जिससे माहौल बिगड़ गया। भीड़ बेकाबू होने पर सड़क जाम हो गई और पुलिस को स्थिति संभालने के लिए बल का प्रयोग करना पड़ा।

तालाब में डूबा तहसील कर्मी, गोताखोरों की मदद से तलाश जारी

मंडावर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना मंडावर क्षेत्र के ग्राम गोपालपुर में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। गांव निवासी एवं बिजनौर तहसील में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यरत 48 वर्षीय अशोक कुमार पुत्र शेर सिंह गांव के पास स्थित तालाब में डूब गए। घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस स्थानीय गोताखोरों की मदद से उनकी तलाश में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह करीब आठ बजे अशोक कुमार अपने घर से गांव की एक परचून की दुकान पर सामान लेने जा रहे थे। लगातार हो रही बारिश के कारण तालाब का पानी सड़क तक फैल गया था और सड़क पूरी तरह जलमग्न हो गई थी। इसी दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में जा गिरे और देखते ही देखते डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंच गए तथा तत्काल मंडावर पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी विपिन कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय गोताखोरों की सहायता से तालाब में सघन तलाश अभियान शुरू कराया। समाचार लिखे जाने तक अशोक कुमार का कोई सुराग नहीं लग सका था और खोजबीन लगातार जारी थी। बताया जाता है कि अशोक कुमार बिजनौर तहसील में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। उनके परिवार में तीन पुत्र और एक पुत्री हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में चिंता और शोक का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने बताया कि तलाश अभियान जारी है और आवश्यक होने पर अतिरिक्त संसाधनों की भी मदद ली जाएगी।

रोडवेज बस और कार की भिड़ंत में दो गंभीर घायल, चालक बस छोड़कर फरार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के बिजनौर-नगीना मार्ग पर गुरुवार शाम टोल प्लाजा के निकट एक भीषण सड़क हादसे में रोडवेज बस और कार की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दुर्घटना के बाद रोडवेज बस का चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, गुरुवार शाम करीब 4 बजे थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में मालीवाला मार्ग के सामने स्थित टोल प्लाजा के पास उत्तर प्रदेश रोडवेज की बस (संख्या UP20CT6213) नगीना से बिजनौर की ओर जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार और कथित लापरवाही से चल रही बस की सामने से आ रही किया कार (HR98A5110) से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार शिवम मलिक (35) पुत्र अशोक मलिक, निवासी विश्वकर्मा कॉलोनी, शामली तथा उनका एक अन्य साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेजा गया। दुर्घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु कराया। पुलिस का कहना है कि मामले में तहरीर प्राप्त होने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मौके पर कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है तथा फरार चालक की तलाश की जा रही है।

20 वर्षीय युवती का शव नहर में मिलने से फैली सनसनी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के नहटौर-नगीना मार्ग पर स्थित गांव तरकौली के पास गांगन नदी में एक 20 वर्षीय युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। युवती की पहचान मोहल्ला नौधा निवासी राहत पुत्री मेंहदी हसन के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार युवती मंदबुद्धि थी जो बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। परिजनों द्वारा अपने स्तर काफी तलाश किया गया लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका था। खोजबीन के दौरान परिजन गांव तरकौली के पास गांगन नदी के किनारे पहुंचे, जहां उन्हें राहत की चप्पलें मिलीं। इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों ने नदी के आसपास तलाशी शुरू की, तो युवती का शव पानी में तैरता हुआ मिला। ग्रामीणों ने शव को तुरंत बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही नहटौर कोतवाली प्रभारी कृष्ण अवतार सिंह पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। कोतवाली प्रभारी किशन अवतार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है। पंचनामा की कार्यवाही के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवती की मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

भ्रष्टाचार और किसानों के शोषण के खिलाफ भाकियू का जनजागरण, संगठन में नई नियुक्तियां

संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ की ओर से गुरुवार को ग्राम सिंहपुर सानी में जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी के नेतृत्व में जनजागरण अभियान के तहत एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सरदार गुरुवचन सिंह ने तथा संचालन निर्देश कुमार ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी ने जनपद में व्याप्त भ्रष्टाचार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सम्भल में किसानों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है, जिसे संगठन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भ्रष्टाचार के कारण आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। बैठक में खाद-बीज की कालाबाजारी, जर्जर सड़कों की मरम्मत, बिजली दरों में वृद्धि, स्मार्ट मीटर लगाने, किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने में हो रही देरी, आधार कार्ड संशोधन, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, खतौनी दुरुस्ती में कथित अनियमितताओं तथा गलत बिजली बिल जारी किए जाने जैसे मुद्दों पर नाराजगी जताई गई। संगठन ने इन समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग उठाई। जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी ने बताया कि लगातार बैठकों से अनुपस्थित रहने वाले कुछ पदाधिकारियों के पदों में फेरबदल किया गया है। उन्होंने कहा कि संगठन में सक्रिय कार्यकताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जाएंगी, जबकि निष्क्रिय पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार ने कहा कि बैठक में स्थानीय जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया है। जल्द ही रणनीति बनाकर संबंधित अधिकारियों के समक्ष इन मुद्दों को मजबूती से रखा जाएगा।

बैठक के दौरान संगठन विस्तार के तहत प्रगति शर्मा (सोनी) को जिला प्रभारी महिला मोर्चा, ननिहा देवी को जिला सचिव तथा सिद्धार्थ शर्मा को जिला सचिव (संभल) नियुक्त किया गया। जिला महासचिव अनमोल कुमार ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए आशा जताई कि वे ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ किसानों एवं आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करेंगे। बैठक में युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला संगठन मंत्री ऋषिपाल सिंह, जिला प्रचार मंत्री संतवीर सिंह, सुफियान पाशा, सुरेन्द्र सिंह, मेहंदी हसन, धीरेन्द्र त्यागी, मोहम्मद हसन, श्रीपाल यादव, मनीराम खारी, कनिक चौधरी, जाकिर अली, अनवार अली, अशोक फौजी, मणिकांत शर्मा, महेंद्र सिंह, चन्द्रपाल सिंह, चेतन शर्मा सहित महिला मोर्चा एवं संगठन के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर सपा ने कसी कमर, पदाधिकारियों व शिक्षकों से वोट बढ़ाने की अपील

संभल (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी जिला संभल की ओर से गुरुवार को रायल पैलेस में बरेली-मुरादाबाद मंडल शिक्षक एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव शामिल हुए। उनका जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी, सांसद जियाउर रहमान वर्क एवं अन्य जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों ने स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए लाल बिहारी यादव ने कहा कि बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र विधान परिषद की महत्वपूर्ण सीट है। उन्होंने पार्टी के सांसदों, विधायकों, पूर्व जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकताओं से शिक्षक समाज के बीच जाकर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर के पक्ष में जनसंपर्क करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक एमएलसी चुनाव में मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों, डिग्री कॉलेजों, संस्कृत विद्यालयों, मदरसों और बेसिक शिक्षा के स्थायी शिक्षक मतदाता होते हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा शिक्षकों के हितों की पक्षधर रही है। सरकार बनने पर पुरानी पेंशन बहाली, वेतन विसंगतियों का समाधान, पदोन्नति, स्थानांतरण नीति में सुधार, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, ग्रेच्युटी तथा सातवें वेतन आयोग का पूरा लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे हाजी दानिश अख्तर को विजयी बनाकर शिक्षक समाज की मजबूत आवाज विधान परिषद तक पहुंचाएं। सांसद जियाउर रहमान वर्क ने पार्टी कार्यकताओं और शिक्षक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों से स्कूलों और कॉलेजों में जाकर अधिक से अधिक शिक्षक मतदाता बनाने की अपील की।

जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि सभी कार्यकर्ता अभी से चुनाव प्रचार में जुट जाएं, ताकि पार्टी को मजबूती मिले और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भी संगठन मजबूत हो। बैठक में मंडल प्रभारी तस्लीम अहमद, पूर्व मंत्री अकील उर रहमान, शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर, विधायक प्रतिनिधि प्रमोद यादव, सोहेल इकबाल, अखिलेश यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष फिरोज खान, विमलेश कुमारी सहित शिक्षक सभा और पार्टी के अनेक पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे तथा शिक्षक मतदाताओं से अधिक से अधिक समर्थन जुटाने का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने तथा संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारी, शिक्षक नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एफडी की राशि न मिलने पर उपभोक्ता आयोग पहुंची महिला, डाक विभाग को जारी हुआ नोटिस

बहजोई/संभल(सब का सपना): जनपद के बहजोई डाकघर में जमा अपनी जमा (एफडी) की राशि नहीं मिलने से परेशान एक महिला ने जिला उपभोक्ता आयोग की शरण ली है। आयोग ने मामले का संज्ञान लेते हुए डाक विभाग को नोटिस जारी कर 30 जुलाई तक अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार थाना बहजोई के ग्राम रमपुरा निवासी सुधा गुप्ता का बचत खाता बहजोई डाकघर में है, जिसमें वह नियमित रूप से अपनी छोटी-छोटी बचत जमा करती थीं। बचत खाते में करीब पांच लाख रुपये

जमा होने पर डाकघर के एक कर्मचारी ने उन्हें अधिक ब्याज मिलने का हवाला देते हुए राशि को एक वर्ष की एफडी में जमा कराने की सलाह दी। महिला ने सलाह पर भरोसा कर पांच लाख रुपये की एफडी करा दी। आरोप है कि अवधि पूरी होने के बाद जब सुधा गुप्ता ने एफडी तोड़कर अपनी जमा राशि मांगी, तो डाक विभाग की ओर से उन्हें लगातार टालमटोल किया जाने लगा और भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद पीड़िता ने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय के माध्यम से जिला उपभोक्ता आयोग, संभल में परिवाद दायर किया।

आयोग ने मामले में डाक विभाग को तलब करते हुए 30 जुलाई को अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अब इस मामले की सुनवाई आयोग में निर्धारित तिथि पर होगी।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना धनारी क्षेत्र में गुरुवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गोविंद कुमार (20 वर्ष) पुत्र हरिओम, निवासी गांव मुडेना, थाना धनारी, जनपद संभल के रूप में हुई है। बताया गया कि गोविंद कुमार अपने गांव मुडेना से स्कूटी द्वारा धनारी की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक तेज रफ्तार कार ने उसकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने घायल युवक को उपचार के लिए गुरुवार शाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की असमय मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस भी अस्पताल पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा हादसे के कारणों का पता लगाने में जुट गई है।

भारी बारिश और वज्रपात का अलर्ट, प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- भारत मौसम विज्ञान विभाग की चेतावनी के बाद जिला प्रशासन ने जनपद में 9 और 10 जुलाई को भारी से अत्यधिक भारी वर्षा, गरज-चमक और वज्रपात की संभावना को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है। जिलाधिकारी कार्यालय ने सभी उपजिलाधिकारियों, जिला कृषि अधिकारी तथा नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जारी एडवाइजरी में आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे निचले एवं बाढ़ संभावित

क्षेत्रों, नालों, मौसमी जलधाराओं तथा नदी किनारों से दूर रहें। बारिश और आकाशीय बिजली के दौरान पेड़ों के नीचे शरण न लें तथा सुरक्षित पक्के भवनों में रहें। अनावश्यक यात्रा से बचें और जलभराव वाली सड़कों पर वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें। किसानों को सलाह दी गई है कि वे फिलहाल सिंचाई, कटाई और उर्वरक के प्रयोग से बचें तथा अनाज और अन्य कृषि उत्पादों को सुरक्षित एवं ऊंचे स्थान पर रखें। साथ ही अस्थायी और जर्जर भवनों को खाली कराने, आवश्यक सेवाओं की वैकल्पिक व्यवस्था बनाए रखने तथा अस्पताल, भोजन, पेयजल और बिजली जैसी सुविधाओं को स्टैंडबाय मोड में रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में एडवाइजरी का कड़ाई से पालन कराएं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क रहें।

राजस्व वसूली में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, बड़े बकायेदारों पर तेज होगी कार्रवाई:- एडीएम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्य प्रिय सिंह की अध्यक्षता में राजस्व वसूली कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) वसूली की प्रगति, लंबित प्रकरणों तथा पोर्टल पर प्रविष्टियों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान व्यापार कर विभाग के मांग पत्रों के ऑनलाइन एवं ऑफलाइन विभागीय मिलान, विविध देय मदों के मांग पत्रों के अद्यतन विवरण तथा बड़े बकायेदारों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने तहसीलवार लंबित आरसी एवं वसूली की स्थिति की जानकारी लेते हुए सभी तहसीलदारों

और नायब तहसीलदारों को नियमित समीक्षा करने तथा सभी वसूली प्रकरणों की समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत पोर्टल प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वसूली कार्य में तेजी लाने पर जोर देते हुए जनपद के 10 बड़े बकायेदारों की स्थिति की समीक्षा की और उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि पोर्टल पर अपलोड किया जाने वाला समस्त डेटा पूर्णतः सही, अद्यतन एवं त्रुटिरहित होना चाहिए। एडीएम ने निर्देशित किया कि जिन आरसी की जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है लेकिन उनकी हार्ड कॉपी नहीं है अथवा जिनमें धनराशि संबंधी त्रुटियां हैं, उनका तत्काल सत्यापन कर आवश्यक संशोधन कराया जाए। जिन आरसी को नियमानुसार वापस किया जाना है, उन्हें वापस किया जाए तथा शेष मामलों में प्रभावी कार्ययोजना बनाकर शीघ्र वसूली सुनिश्चित की जाए। बैठक में सेल्स टैक्स, विद्युत विभाग एवं बैंकों से संबंधित आरसी प्रकरणों के साथ-साथ 11 सूत्रीय एवं 12 सूत्रीय वसूली और पुरानी लंबित वसूली की भी समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि आरसी पोर्टल पर संबंधित कार्मिकों की आईडी तैयार कराने की जिम्मेदारी जनपद स्तर की है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

बैठक में जनपद के सभी तहसीलदार, संबंधित नायब तहसीलदार, अमीन तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भूमि पर कब्जा दिलाने की मांग को लेकर किसान ने डीएम से लगाई गुहार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई निवासी कालीचरण ने अपनी खरीदी गई भूमि पर कब्जा दिलाने और पैमाइश कराने की मांग को लेकर जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल को शिकायती पत्र सौंपा है। पीड़ित ने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की मांग की है। शिकायत में कालीचरण ने बताया कि ग्राम अर्जुनपुर जूना स्थित मूल गाटा संख्या 46/1.97 हेक्टेयर के चक संख्या 217 पर उप संचालक

चकबंदी न्यायालय द्वारा पूर्व में पारित स्थगन आदेश 26 जून 2025 को निरस्त किया जा चुका है। इसके बावजूद उन्हें आज तक अपनी भूमि पर कब्जा नहीं मिल सका है। पीड़ित का आरोप है कि वर्ष 2021 में बैनामे के माध्यम से भूमि खरीदने के बावजूद विक्रेता जसवीर यादव तथा उसके भाई कोजीराम यादव का अब भी उक्त भूमि पर कब्जा है, जिससे वह अपनी खरीदी गई जमीन का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। कालीचरण ने जिलाधिकारी से मांग की है कि चक संख्या 217 की राजस्व विभाग से पैमाइश कराकर सीमांकन कराया जाए तथा अवैध कब्जा हटवाकर उन्हें उनकी भूमि पर कब्जा दिलाया जाए। उनका कहना है कि इससे उन्हें न्याय मिलेगा और वह अपनी खरीदी गई भूमि का लाभ उठा सकेंगे।

बिजनौर में गोकशों के साथ पुलिस की मुठभेड़ में चार आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में गोकशी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली देहात पुलिस ने बुधवार देर रात मुठभेड़ के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार कर एक गोवंशीय पशु को वध होने से बचा लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि बदमाशों की फायरिंग में एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार थाना कोतवाली देहात के नवागत प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार अपनी टीम के साथ क्षेत्राधिकारी नगीना राजेश सोलंकी के निर्देशन में बरुकी चौकी क्षेत्र स्थित कुम्हड़ा नहर की पटरी पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने यूके-07-6926 नंबर की एक संदिग्ध सेंट्रो कार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर कार सवार आरोपी तेज गति से भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर कार को रोक लिया। खुद को घिरा देखकर आरोपियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई नियंत्रित जवाबी फायरिंग में दो आरोपियों के पैर में गोली लग गई, जबकि दो अन्य को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाशों की गोली लगने से एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे रात के समय आवारा गोवंशीय पशुओं को पकड़कर जंगल में ले जाते थे, उनका वध कर मांस बेचते थे। पुलिस के अनुसार जिस रात मुठभेड़ हुई, आरोपी एक गोवंशीय पशु को काटने की तैयारी में थे, लेकिन समय रहते पुलिस की कार्रवाई से गोवंश को सुरक्षित बचा लिया गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे 315 बोर, चार जिंदा कारतूस, एक सेंट्रो कार, कार की डिग्गी से एक जीवित गोवंशीय पशु तथा पशु वध में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए हैं।

घायल आरोपियों को उपचार के लिए पीएचसी कोतवाली देहात भेजा गया है, जबकि घायल पुलिसकर्मी का उपचार जिला अस्पताल बिजनौर में चल रहा है।

क्षेत्राधिकारी नगीना राजेश सोलंकी ने बताया कि पुलिस मुठभेड़ के संबंध में संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आरोपियों के आपराधिक इतिहास और उनके नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

व्यापारी नेता अनुज वार्ष्णेय के आवास पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ, रामभक्ति में डूबे श्रद्धाल

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- सीता रोड स्थित आर.आर. इंटर कॉलेज के समीप व्यापारी नेता अनुज वार्ष्णेय अन्नू के आवास पर गुरुवार को भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन में नगर के व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता, नागरिक एवं बड़ी संख्या में रामभक्त शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण जय श्रीराम और बजरंगबली के जयघोष से भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य यजमान अनुज वार्ष्णेय एवं उनके परिवार ने हनुमान जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ किया। इसके बाद संगीतमय सुंदरकांड पाठ प्रारंभ हुआ। भजन गायकों द्वारा प्रस्तुत चौपाइयों और

भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। मंगल भवन अमंगल हारी और हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया।

इस अवसर पर अनुज वार्ष्णेय ने सभी अतिथियों का तिलक लगाकर एवं पटका पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता कर भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया। सुंदरकांड पाठ के समापन पर हनुमान जी की भव्य आरती उतारी गई तथा श्रद्धालुओं को विशेष भोग अर्पित करने के बाद महाप्रसाद वितरित किया गया।

अनुज वार्ष्णेय ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और आपसी भाईचारा मजबूत होता है। उन्होंने नगर की सुख-समृद्धि, व्यापारियों की उन्नति एवं सभी के मंगल की कामना की।

इस अवसर पर रुचि वार्ष्णेय, रुक्मणी देवी, पूजा वार्ष्णेय, दिव्या शर्मा, अंशुल रतन, आशीष, डॉ. आकांक्षा वार्ष्णेय, गौरव सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मोहाली में तीन निहंग समेत 10 के खिलाफ प्राथमिकी; सोहाना गुरुद्वारे में हुआ था हंगामा, 10 दिन बाद एक्शन

मोहाली। सोहाना के गुरुद्वारा सिंह शहीदां में हुए विवाद ने अब कानूनी रूप ले लिया है। घटना के करीब 10 दिन बाद सोहाना थाना पुलिस ने मारपीट के मामले में तीन निहंगों समेत 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। नामजद आरोपितों में जसदीप सिंह, राणा बब्बर और जसमीत सिंह शामिल हैं, जबकि सात अन्य की पहचान की जा रही है। पुलिस के अनुसार शिकायत मौली बैदवान निवासी परमजोत सिंह ने दी थी। उसने बताया कि 28 जून को वह गुरुद्वारा में माथा टेकने गया था। उसी दौरान करनप्रयाग मामले में जमानत पर रिहा होकर लौटे निहंगों के स्वागत का कार्यक्रम चल रहा था। आरोप है कि गुरुद्वारे से बाहर निकलते समय एक निहंग ने उसे पहचानकर अपने साथियों को उकसाया। इसके बाद कुछ लोगों ने उसे घेर लिया और उसके साथ मारपीट कर दी। हमले में घायल युवक को इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद पुलिस ने तीन लोगों को नामजद करते हुए सात अज्ञात आरोपितों के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया। एफआईआर बीएनएस की धाराओं 115(2), 190, 191(3) और 351(2) सहित अन्य प्रावधानों के तहत दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है। घटनास्थल के वीडियो और अन्य सबूतों की भी पड़ताल की जा रही है। जांच के दौरान जिन लोगों की संलिप्तता सामने आएगी, उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब पुलिस के दो कॉन्स्टेबल गिरफ्तार, मोहाली में युवती से की छेड़छाड़; स्कॉर्पियो कार से किया पीछा

मोहाली। सेक्टर-68 स्थित श्री गुरु हरसहाय सोसायटी के बाहर युवती से छेड़छाड़ और उसके परिजनों पर कार चढ़ाने की कोशिश के मामले में पंजाब पुलिस के दो कॉन्स्टेबलों को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब राज्य महिला आयोग ने मामले का स्वतः संज्ञान लेकर एसएसपी से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। जांच के आधार पर पुलिस ने दो कॉन्स्टेबल गुरपिंदर और गुरमीत को गिरफ्तार किया है। दोनों पुलिस लाइन में तैनात हैं और घटना के समय सिविल ड्रेस में थे। पुलिस के अनुसार, वारदात के समय उनके पास कोई सरकारी हथियार नहीं था। स्कॉर्पियो उनकी अपनी ही कार है, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। श्री गुरु हरसहाय सोसायटी निवासी युवक के अनुसार वह अपनी बहन के साथ बाजार से लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में सफेद स्कॉर्पियो सवार युवकों ने उनका पीछा किया और उनकी बहन से छेड़छाड़ की कोशिश की। बचने के लिए दोनों अपनी कार से सोसायटी पहुंचे, लेकिन स्कॉर्पियो सवार वहां तक उनका पीछा करते हुए पहुंच गए। पीड़ित का आरोप है कि रास्ते में स्कॉर्पियो चालक लगातार हॉर्न और लाइट देकर उनकी कार रुकवाने का प्रयास करता रहा। सोसायटी पहुंचने पर मनप्रीत के दो रिश्तेदारों ने आरोपितों को रोकने की कोशिश की, लेकिन स्कॉर्पियो चालक ने तेज रफ्तार में कार घुमाकर उन पर वाहन चढ़ाने का प्रयास किया। शोर मचने पर आरोपित मौके से फरार हो गए। जांच में सामने आया कि स्कॉर्पियो में 3 से 4 लोग सवार थे और वाहन पर पुलिस की वर्दी भी रखी हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पंजाब राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन राज लाली गिल ने स्वतः संज्ञान लिया और एसएसपी मोहाली से वरिष्ठ अधिकारी के माध्यम से निष्पक्ष जांच कर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आज अपनी रिपोर्ट महिला आयोग को सौंप सकती है।

चंडीगढ़ में जुटे चन्नी खेमे के दिग्गज, गुप्त बैठक में बनी खास रणनीति; शुक्रवार को होगी भूपेश बघेल से मुलाकात

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में संगठनात्मक फेरबदल के बाद जारी अंदरूनी खींचतान के बीच गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने समर्थक नेताओं के साथ अहम बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा की। यह बैठक वरिष्ठ कांग्रेस नेता राणा गुरजीत सिंह के आवास पर हुई, जिसमें सुखजिंदर सिंह रंधावा परगट सिंह भारत भूषण आशु समेत चन्नी खेमे के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। बैठक में पंजाब कांग्रेस की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, संगठन में हाल ही में किए गए बदलावों और आगे अपनाई जाने वाली रणनीति पर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक में शामिल नेताओं ने पार्टी के भीतर चल रहे घटनाक्रम पर चर्चा करते हुए भविष्य की राजनीतिक दिशा तय करने को लेकर विचार-विमर्श किया। हालांकि बैठक के बाद किसी नेता ने आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया, लेकिन इसे चन्नी खेमे की आगे की रणनीति तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार चन्नी के साथ उनके समर्थक वरिष्ठ नेता भी सामूहिक रूप से बघेल से शुक्रवार को मिलेंगे। बैठक का उद्देश्य पार्टी नेतृत्व के समक्ष अपनी नाराजगी और संगठन से जुड़े मुद्दों को रखना है। फैसले पर पुनर्विचार की रखेंगे मांग इस दौरान चन्नी खेमे के नेता अपनी आपत्तियां विस्तार से भुपेश बघेल के सामने रखेंगे और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को बनाए रखने के फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग दोहराएंगे। रंधावा ने कहा कि कांग्रेस में डेमोक्रेटिक तरीके से सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। उधर, पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल लगातार वरिष्ठ नेताओं से संपर्क बनाए हुए हैं। वीरवार को पंजाब कांग्रेस भवन में बघेल ने यूथ कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की है। बैठकों का दौर लगातार जारी पार्टी में चल रही गुटबाजी को समाप्त करने के प्रयासों के तहत उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं से मुलाकातों का सिलसिला जारी रखा। पिछले कई दिनों से चंडीगढ़ में बैठकों का दौर चल रहा है, जिसमें जिला अध्यक्षों, कार्यकारी अध्यक्षों, वरिष्ठ नेताओं और विभिन्न संगठनात्मक पदाधिकारियों से लगातार चर्चा की जा रही है। चन्नी कि अपने समर्थित नेताओं के साथ यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब कांग्रेस नेतृत्व पंजाब इकाई में जारी असंतोष को दूर कर संगठन को एकजुट करने की कोशिश में जुटा है। ऐसे में आने वाले दिनों में पार्टी की ओर से होने वाले फैसलों और चन्नी खेमे के अगले कदम पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

चंडीगढ़ में तीन साल पहले बेची थी कार, कश्मीर से आया चालान तो हुई हैरानी; डीलर पर लगा 20 हजार रुपये जुमार्ना

चंडीगढ़। एक्सचेंज में दी गई पुरानी कार की ओनरशिप ट्रांसफर न करने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने बर्कलेज टाटा मोटर्स को सेवा में लापरवाही का दोषी ठहराया है। आयोग ने डीलर को 20 हजार रुपये हजार्ना भरने के निर्देश दिए हैं। रोपड़ निवासी कुलजिंदर सिंह ने बर्कलेज टाटा मोटर्स से नई कार खरीदी थी और पुरानी गाड़ी एक्सचेंज में दे दी थी। डीलर ने उस कार की ओनरशिप ही ट्रांसफर नहीं की और आगे किसी अन्य को बेच दी। वही कार बिकते-बिकते जम्मू-कश्मीर पहुंच गई। जम्मू-कश्मीर में उस गाड़ी ने ट्रैफिक चालान कर दिए जो शिकायतकर्ता तक पहुंच गए। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने मामले की शिकायत जिला उपभोक्ता आयोग को दी। कुलजिंदर सिंह ने शिकायत में बताया कि उन्होंने वर्ष 2019 में टाटा हैरियर गाड़ी खरीदी थी। उस समय उन्होंने अपनी पुरानी एक्सचेंज आफर के तहत डीलरशिप को सौंप दी थी। उन्होंने एनओसी समेत सभी जरूरी दस्तावेज जमा कंपनी को सौंप दिए। इसके बावजूद कंपनी ने उनकी पुरानी गाड़ी की ओनरशिप ट्रांसफर नहीं की

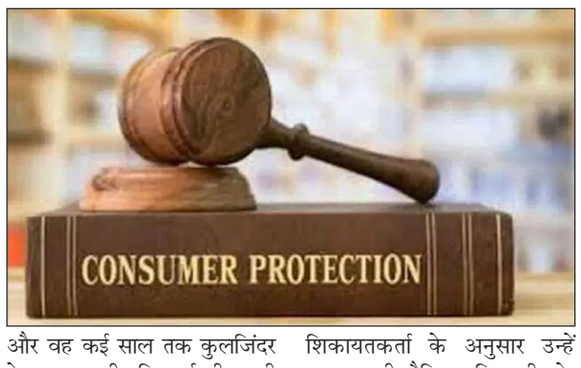

और वह कई साल तक कुलजिंदर के नाम पर ही रजिस्टर्ड थी। सभी जिम्मेदारी थी डीलर की शिकायतकर्ता के अनुसार उन्हें जम्मू-कश्मीर ट्रैफिक पुलिस की ओर से उस कार का चालान मिला, जबकि वह कभी कश्मीर गए ही नहीं थे। डीलरशिप से पूछताछ करने पर पता चला कि कार पहले चंडीगढ़ के एक व्यक्ति को बेची गई और बाद में वह जम्मू-कश्मीर पहुंच गई। उन्होंने रजिस्ट्रिंग एंड लाइसेंसिंग अथॉरिटी (आरएलए) से भी संपर्क किया, लेकिन वहां भी उन्हें कोई जानकारी नहीं मिली। सुनवाई के दौरान आयोग ने पाया कि 14 अगस्त 2019 को डीलरशिप ने वाहन अपने कब्जे में लेते समय लिखित रूप से यह जिम्मेदारी ली थी कि वाहन से जुड़े रखरखाव, दुर्घटना, रोड टैक्स, बीमा, चालान या किसी भी प्रकार के दुरुपयोग की जिम्मेदारी उन्हीं की होगी। आयोग ने सुनाया फैसला आयोग ने कहा कि डीलरशिप की जिम्मेदारी थी कि वह निर्धारित समय में वाहन अपने नाम या अगले खरीदार के नाम ट्रांसफर कराए, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। डीलर की लापरवाही के कारण वाहन आज भी शिकायतकर्ता के नाम पर दर्ज है। आयोग ने डीलरशिप को अपने खर्च पर वाहन का पंजीकरण अगले खरीदार के नाम स्थानांतरित कराने का निर्देश दिया।

धमकियों से परेशान बठिंडा के युवक ने उठाया खौफनाक कदम, मां की शिकायत पर एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

बठिंडा। बठिंडा में संपत्ति विवाद से जुड़े एक मामले ने गंभीर मोड़ ले लिया है। 22 वर्षीय एक युवक की उपचार के दौरान मौत होने के बाद थाना थर्मल पुलिस ने उसकी मां की शिकायत पर एक व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपित की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बल्लाराम नगर निवासी शुगन बांसल के रूप में हुई है। परिवार पहले अफीम वाली गली क्षेत्र में रहता था। शुगन बांसल संपत्ति की खरीद-बिक्री का कार्य करता था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कुछ समय से उसका एक संपत्ति सौदे को लेकर भागू रोड निवासी रूस्तम दत्त के साथ विवाद

चल रहा था। मृतक की मां मीनाक्षी बांसल ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया है कि विवाद के बाद आरोपित लगातार उनके बेटे को फोन और संदेशों के माध्यम से धमकियां दे रहा था। उनका आरोप है कि इन घटनाओं के कारण शुगन बांसल मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगा था और लगातार तनाव में था। युवक ने निगली सल्फास परिजनों के अनुसार बुधवार को मानसिक तनाव के चलते शगुन बांसल ने घर में सल्फास खा लिया। उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिवार के सदस्य तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद मृतक की मां के विस्तृत बयान दर्ज किए गए। गिरफ्तारी के लिए पुलिस कर रही छापेमारी थाना थर्मल के प्रभारी हरजोत सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपित रूस्तम दत्त के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जा रही है। कॉल रिकॉर्ड, संदेशों और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की भी जांच की जाएगी, ताकि पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। जांच के दौरान यदि अन्य तथ्य सामने आते हैं तो उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

मोहाली में स्कूल साइट्स खरीदने का सुनहरा मौका, गमाडा बेचेगा चार एकड़ तक के प्लॉट्स; ऑनलाइन लगेगी बोली

मोहाली। ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) ने मोहाली में नए के-12 और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों की स्थापना के लिए तीन शैक्षणिक प्लॉट्स की ई नीलामी की घोषणा की है। इच्छुक शैक्षणिक संस्थानों, ट्रस्टों, सोसायटियों और अन्य पात्र आवेदकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह नीलामी गमाडा की वर्ष-2025 की शैक्षणिक प्लॉट आवंटन नीति के तहत टेक्निकल और फाइनेंशियल बिड प्रणाली के अनुसार आयोजित की जाएगी। सेक्टर-77 में 2.50 एकड़ का शैक्षणिक प्लॉट 23.74 करोड़ रुपये, सेक्टर-79 में 2.00 एकड़ का प्लॉट 20.71 करोड़ रुपये तथा सेक्टर-66 (बीटा, आईटी सिटी) में 4.10 एकड़ का प्लॉट

48.53 करोड़ रुपये की आरक्षित कीमत पर ई नीलामी के लिए रखा गया है। इन तीनों प्लॉट्स का उपयोग केवल के-12 और सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्थापित करने के लिए किया जाएगा। ऑनलाइन बिडिंग 10 जुलाई को दोपहर 12 बजे शुरू होगी, जबकि 10 अगस्त को दोपहर 12 बजे तक बोली लगाई जा सकेगी। इसके बाद तकनीकी बोली का मूल्यांकन किया जाएगा और पात्र आवेदकों की वित्तीय बोली खोलने की तिथि अलग से घोषित की जाएगी। पूरी नीलामी प्रक्रिया पूरी तरह आनलाइन, पारदर्शी और समयबद्ध होगी। इच्छुक आवेदकों को पंजाब ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करना होगा। पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, भुगतान शर्तों और अन्य नियमों की विस्तृत जानकारी गमाडा की आधिकारिक वेबसाइट और पंजाब ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। गमाडा के अधिकारियों का कहना है कि मोहाली तेजी से शिक्षा और आईटी हब के रूप में विकसित हो रहा है। ऐसे में नए स्कूलों की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए इन शैक्षणिक प्लॉट्स की ई नीलामी की जा रही है, ताकि शहर के विभिन्न सेक्टरों में आधुनिक शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना हो सके। इससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिलने के साथ साथ शहर के शिक्षा ढांचे को भी मजबूती मिलेगी।

चंडीगढ़ में पूर्व एसडीएम शिल्पी पात्र की बढ़ी मुश्किलें; 9 साल बाद भ्रष्टाचार का केस फिर शुरू, 2 लाख ली थी घूस

चंडीगढ़। करीब नौ साल पहले रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार हुई तत्कालीन एसडीएम शिल्पी पात्र के खिलाफ अब सीबीआई की विशेष अदालत में भ्रष्टाचार का मुकदमा चलने का रास्ता साफ हो गया है। उन पर शोरूम की सील हटाने के लिए दो लाख रिश्वत लेने का आरोप है। मामले की सुनवाई 15 जुलाई को होगी।अगस्त, 2017 में सीबीआई ने हरियाणा सिविल सर्विसेज (एचसीएस) अधिकारी शिल्पी, उसके पति धीरज दत्त और एक बिचौलिए जीएस बराड़ को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के कुछ समय बाद ही शिल्पी ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी थी। शिल्पी ने उसके खिलाफ केस चलाने के लिए दी गई अभियोजन मंजूरी को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। यह याचिका नौ साल से लंबित पड़ी थी, जिसे अब हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। अब सीबीआई विशेष अदालत में शिल्पी समेत तीनों के खिलाफ आरोप तय किए जाने पर बहस होगी। सीबीआई ने एक कारोबारी की शिकायत पर तीनों आरोपितों को पकड़ा था। आरोप था कि वह कारोबारी से उसकी संपत्ति की सील हटाने के नाम पर दो लाख रुपये रिश्वत मांग रहे थे। पहली किस्त के रूप में 50 हजार रुपये लेते आरोपितों को सीबीआई ने दबोच लिया था। शिल्पी को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत गिरफ्तारी के बाद हरियाणा सरकार ने शिल्पी के खिलाफ अभियोजन यानी केस चलाने की मंजूरी दे दी थी। शिल्पी ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की और कहा कि हरियाणा सरकार के जिस अधिकारी ने उनके खिलाफ सीबीआई को अभियोजन मंजूरी दी है, वह खुद भ्रष्ट हैं। शिल्पी का आरोप था कि उस अधिकारी पर 220 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का केस है। हालांकि हाई कोर्ट ने शिल्पी को राहत नहीं दी। सीबीआई कोर्ट ने दी चेतावनी सीबीआई की विशेष अदालत में मामले की सुनवाई थी। इस दौरान शिल्पी के वकील ने पेशी से छूट के लिए अर्जी दाखिल की। शिल्पी के वकील ने कहा कि सर्वाइकल की वजह से वह अदालत में पेश नहीं हो सकती। सीबीआई के सरकारी वकील नरेंद्र सिंह ने इस अर्जी का विरोध किया और कहा कि वह जानबूझकर केस को लटकाने की कोशिश कर रही हैं। पहले भी वह अदालत में ऐसी अर्जी दाखिल कर पेशी से बचने की कोशिश कर चुकी हैं। इस पर जज ने कहा कि यह केस पिछले करीब नौ साल से लंबित पड़ा है। ऐसे में उन्हें केवल आज के लिए पेशी से छूट दी जाएगी। अगली बार उनकी ऐसी किसी अर्जी को स्वीकार नहीं किया जाएगा। कारोबारी से मांगी थी दो लाख रिश्वत पंचकूला निवासी तरसेम कुमार ने सीबीआइ को शिकायत दी थी कि उसका अपने भाई संजय के साथ सेक्टर-26 ग्रेन मार्केट की संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। यह मामला तत्कालीन एसडीएम शिल्पी पात्र की अदालत में पहुंचा, जहां तीन अगस्त 2017 को उन्हें सुने बिना संपत्ति को सील कर दिया गया। इस कार्रवाई के अगले दिन तरसेम की मुलाकात जीएस बराड़ से हुई। उसने उसे शिल्पी पात्र से मिलवाया। शिल्पी ने उसकी संपत्ति की सील हटाने का आश्वासन दिया। बराड़ ने तरसेम से कहा कि शिल्पी ने संपत्ति की सील हटाने के नाम पर पांच लाख रुपये की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चंडीगढ़ में वेंडर्स को मिलेगा ठिकाना, वेंडिंग जोन पर फैसला कल; सुझाव-आपत्तियों पर होंगे बदलाव

चंडीगढ़। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर शहर में नए वेंडिंग जोन बनने हैं। प्रस्तावित 12 नए वेंडिंग जोन के गठन को लेकर शुक्रवार को होने वाली टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) की बैठक अहम रहने वाली है। वीरवार को सुझाव और आपत्तियां देने का अंतिम दिन है। व्यापारियों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) और कई लोगों ने व्यक्तिगत स्तर पर भी नगर निगम की वेंडिंग सेल को अपने सुझाव और आपत्तियां भेजी हैं। अब शुक्रवार को होने वाली टीवीसी की बैठक में इन सभी सुझावों और आपत्तियों पर चर्चा के बाद प्रस्तावित वेंडिंग जोन पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर कुछ साइटों में बदलाव भी किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एसेंशियल सर्विस प्रोवाइडर की श्रेणी से बाहर हुए वेंडरों को उनके मौजूदा स्थानों से हटाकर निर्धारित वेंडिंग जोन में शिफ्ट किया जाना है। इसी प्रक्रिया के तहत नगर निगम ने सर्वे के आधार पर 12 नए वेंडिंग जोन प्रस्तावित किए हैं। नगर निगम ने प्रस्तावित वेंडिंग जोन की सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड की। इससे पहले केवल सार्वजनिक सूचना जारी की गई थी, लेकिन प्रस्तावित स्थलों की जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं थी। इसके बाद लोगों को सूची उपलब्ध कराई गई ताकि वे संबंधित साइटों पर अपने सुझाव और आपत्तियां दर्ज करा सकें। व्यापारियों का कहना है कि उन्हें वेंडिंग जोन बनाए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इन्हें बाजारों और घनी रिहायशी कॉलोनियों से दूर विकसित किया जाना चाहिए। उनका तर्क है कि प्रमुख बाजारों में पहले से ही पार्किंग और ट्रैफिक का भारी दबाव है। यदि वहीं वेंडिंग जोन बनाए गए तो जाम और अतिक्रमण की समस्या और बढ़ जाएगी। चंडीगढ़ व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजीव चड्ढा ने कहा कि वेंडिंग जोन बनाने से उन्हें कोई एतराज नहीं है, लेकिन इन्हें मार्केट से दूर बनाया जाना चाहिए। सेक्टर-22 और सेक्टर-19 जैसी मार्केट पहले से ही भीड़ और पार्किंग की समस्या से जूझ रही हैं। उन्होंने अपनी आपत्ति वेंडिंग सेल को भेज दी है। दुकानदार मलकीत सिंह ने कहा कि सड़क और फुटपाथ पर कब्जों के खिलाफ लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अब यदि वेंडिंग जोन फिर बाजारों के पास बनाए जाएंगे तो समस्याएं और बढ़ेंगी। कई प्रस्तावित साइटों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि यदि आपत्तियों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो व्यापारी इसका विरोध करेंगे।उद्योग व्यापार मंडल ने कहा कि वह स्ट्रीट वेंडर्स के आजीविका के अधिकार और स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट-2014 का सम्मान करता है, लेकिन नए वेंडिंग जोन बनाने से पहले मौजूदा व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त किया जाना चाहिए।

बारिश में नहीं होगी भागदौड़, लुधियाना नगर निगम ने शुरू की मानसून हेल्पलाइन; एक कॉल पर दर्ज होगी हर शिकायत

लुधियाना। बारिश के मौसम में लुधियाना वासियों को होने वाली परेशानियों के त्वरित समाधान के लिए नगर निगम ने मानसून हेल्पलाइन सेवा शुरू कर दी है। अब बारिश से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए लोगों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। नगर निगम ने एक विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किया है, जिस पर कॉल कर नागरिक अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। इसके साथ ही शिकायत दर्ज कराने के लिए वाट्सएप चैटबॉट की सुविधा भी शुरू की गई है, जिससे लोग घर बैठे आसानी से अपनी समस्या निगम तक पहुंचा सकेंगे। नगर निगम आयुक्त ओजस्वी अलंकार ने बताया कि मानसून के दौरान शहर में जलभराव, खुले मैनहोल, पेड़ गिरने, स्ट्रीट लाइट बंद होने, पेयजल आपूर्ति बाधित होने या दूषित पानी आने जैसी समस्याएं अधिक सामने आती हैं। इन्हीं समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विशेष हेल्पलाइन शुरू की गई है। नागरिक 90867-91867 नंबर पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि निगम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बारिश के दौरान लोगों को किसी भी समस्या का सामना लंबे समय तक न करना पड़े। शिकायत मिलते ही संबंधित विभाग को तुरंत सूचना भेजी जाएगी, ताकि मौके पर पहुंचकर जल्द से जल्द समस्या का समाधान किया जा सके। नगर निगम ने तकनीक का उपयोग बढ़ाते हुए वाट्सएप चैटबॉट सेवा भी शुरू की है। अब लोग कॉल करने के अलावा चैटबॉट के माध्यम से भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए निगम की ओर से जारी क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा। इसके बाद शिकायत दर्ज करने की पूरी प्रक्रिया मोबाइल पर ही पूरी की जा सकेगी। अधिकारियों के अनुसार यह सेवा सरल, तेज और चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगी।

हरियाणा में मिक्स्ड लैंड यूज को मंजूरी, मेट्रो और बस अड्डों के पास अफोर्डेबल कॉलोनियों में अब खुल सकेंगी दुकानें और दफ्तर

चंडीगढ़। हरियाणा के शहरी क्षेत्रों में अब मेट्रो, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों के पास स्थित अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग कालोनियों में दुकानें, कारोबार और संस्थान चल सकेंगे। ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) नीति के तहत अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग कॉलोनियों को मिक्स्ड लैंड यूज (मिश्रित भूमि उपयोग) में बदलने की छूट दी जाएगी। हालांकि ऐसी कालोनियों के लाइसेंस में बदलाव के बावजूद बिल्डरों और कालोनाइजर्स को न्यूनतम 70 प्रतिशत हिस्से में आवासीय सुविधाएं, जबकि न्यूनतम 7.5 प्रतिशत से लेकर अधिकतम 30 प्रतिशत हिस्से में व्यावसायिक गतिविधियां सुनिश्चित करनी होंगी। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के निदेशक अमित खत्री ने टीओडी पॉलिसी के तहत अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग कालोनी को मिक्स्ड लैंड यूज कालोनी में बदलने की अनुमति देने के संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। टीओडी एक आधुनिक शहरी नियोजन रणनीति है, जिसका इसका मुख्य उद्देश्य मेट्रो, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों जैसे सार्वजनिक परिवहन केंद्रों के आसपास सघन, बहुउद्देशीय (आवासीय और व्यावसायिक) क्षेत्र विकसित करना है, ताकि लोग निजी वाहनों पर निर्भर रहने के बजाय पैदल या साइकिल से यात्रा कर सकें। सरकार के पास लगातार टीओडी

जोन में आने वाली अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग कालोनी को टीओडी पालिसी के तहत मिक्स्ड लैंड यूज कालोनी में बदलने के अनुरोध मिल रहे हैं। लेकिन इसमें 19 अगस्त 2013 को अधिसूचित पालिसी का क्लाज, बाधा बन रहा था, जो अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग पालिसी के तहत दिए गए लाइसेंसों को सामान्य ग्रुप हाउसिंग कालोनी में बदलने पर रोक लगाता है। सरकार के स्तर पर मंथन के बाद टीओडी जोन में स्थित अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग कालोनियों को मिक्स्ड लैंड यूज कालोनियों में बदलने की अनुमति देने का निर्णय लिया गया है, क्योंकि इससे ग्रुप हाउसिंग कालोनी के लिए 30 एकड़ की कुल क्षेत्र सीमा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा है, जो आवासीय क्षेत्र में ग्रुप हाउसिंग लाइसेंस के 20 प्रतिशत शुद्ध नियोजित क्षेत्र (एनपीए) से अलग है। पालिसी के अनुसार टीओडी जोन में लाइसेंस देने के लिए कोई क्षेत्र सीमा नहीं है। नियमों में बदलाव से सरकार को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। टीओडी जोन के बाहर नहीं मिलेगी राहत किसी भी ग्रुप हाउसिंग कालोनी को टीओडी जोन के बाहर लाइसेंस बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लाइसेंस बदलवाने के इच्छुक कालोनाइजर्स को आवंटियों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए शपथपत्र देना होगा कि कालोनी में किसी तीसरे पक्ष का अधिकार नहीं है और प्रोजेक्ट हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (हरेरा) के साथ रजिस्टर्ड नहीं है। यदि संपत्ति के थर्ड पार्टी अधिकार पहले ही बनाए जा चुके हैं, तो डेवलपर को सभी आवंटियों की लिखित सहमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। कॉलोनी में आवास के लिए 70 प्रतिशत और सहायक गतिविधियों के 30 प्रतिशत हिस्सा सुनिश्चित करना होगा। हालांकि व्यावसायिक हिस्सा को न्यूनतम 7.5 प्रतिशत तक किया जा सकता है।

1.83 करोड़ की साइबर ठगी से जुड़े म्यूल अकाउंट का धारक गिरफ्तार

बुलन्दशहर (सब का सपना):- साइबर क्राइम थाना पुलिस ने करीब एक करोड़ 83 लाख रुपये के साइबर फ्रॉड से जुड़े म्यूल अकाउंट के मामले में मेरठ निवासी सतीश भारद्वाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन तथा फर्म, बैंक खाता, पैन, आधार, चेकबुक समेत 27 महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने साथी कृष्ण विरक्त के साथ फर्म बनाकर उसके नाम पर करंट अकाउंट खुलवाया था, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से साइबर ठगी की रकम जमा कराई जाती थी। इस खाते से जुड़े मामलों में ओडिशा, चंडीगढ़, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में कई शिकायतें दर्ज हैं। आरोपी के विरुद्ध विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी के कई मुकदमे भी दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है, जबकि सह आरोपी कृष्ण विरक्त पहले से तिहाड़ जेल में निरुद्ध है।

आईटी मंत्री बार एसोसिएशन शपथ ग्रहण समारोह में होंगे मुख्य अतिथि

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री सुनील कुमार शर्मा गुरुवार को बुलंदशहर दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह दोपहर 12:30 बजे कचहरी परिसर पहुंचकर बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम के उपरांत दोपहर 1:30 बजे वह गाजियाबाद के लिए प्रस्थान करेंगे। मंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

हदीमपुर में जलभराव पर विधायक लक्ष्मीराज सिंह का निरीक्षण

अफसरों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- ग्राम हदीमपुर में लगातार बारिश से जलनिकासी बाधित होने की सूचना पर विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से समस्या की जानकारी ली और जिलाधिकारी, पीडब्ल्यूडी व सिंचाई विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर बंद पाइपों को खुलवाकर जलनिकासी व्यवस्था शीघ्र सुचारु कराने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि क्षेत्र की जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान उनकी प्राथमिकता है।

एशिया का सबसे बड़ा मार्केट बना समंदर! सदर बाजार में कमर तक जलजमाव, व्यापारियों का करोड़ों का सामान बर्बाद

नई दिल्ली। एशिया के बड़े बाजारों में शामिल सदर बाजार में मानसून की पहली वर्षा में ही बुरा हाल है। यहां कहीं घुटने तो कहीं कमर भर तक जलजमाव हो गया है। सड़कों से लेकर गलियों तक में दो से तीन फीट तक पानी चल रहा है। स्थिति यह कि सैकड़ों दुकानों में सीवर का पानी घुस गया है और लाखों का सामान बर्बाद हो गया है। जलभराव के चलते कारोबार भी बमुश्किल 20 प्रतिशत रह गया है। यह स्थिति तब है जब सिविक एजेंसियों द्वारा जल निकासी के बड़े बड़े दावे किए गए थे। बाजार संगठन फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन (फेस्टा) ने मई माह से ही इसे लेकर सिविक एजेंसियों के साथ दिल्ली सरकार को चेताना शुरू कर दिया था। 'यह हर साल का हाल है' फेस्टा के महासचिव राजेंद्र शर्मा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह हर साल की स्थिति है, सरकार और प्रशासन के बड़े दावे वादे होते हैं, लेकिन जमीन स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। जिसका खामियाजा दुकानदारों को भुगतना पड़ता है। दिल्ली में लगातार तीन दिनों से वर्षा जारी है और उसके साथ ही एशिया के सबसे बड़े बाजारों में शामिल सदर बाजार की मुश्किलें आरंभ हो गई हैं। जल भराव और कीचड़ से यहां के दुकानदारों के साथ ही आने वाले खरीदारों का बुरा हाल है। लोगों के कपड़े और सामान जहां खराब हो रहे हैं, लोग वहीं गिरकर चोटिल भी हो रहे हैं।

गाजियाबाद से दिल्ली आने वाले ध्यान दें, गाजीपुर के पास एनएच-24 पर भरा पानी; ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। लगातार हो रही वर्षा के कारण गाजीपुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-9 (एनएच-24) पर जलभराव हो गया है। इसके चलते इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। स्थिति को सामान्य करने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की टीमें मौके पर जलनिकासी का कार्य करा रही हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी करते हुए गाजियाबाद से दिल्ली आने वाले लोगों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी है। इस रास्ते से जाने की सलाह दी एडवाइजरी के अनुसार, वाहन चालक सेक्टर-62 से वसुंधरा होते हुए बुद्ध चौक और फिर मोहन नगर के रास्ते सीमापुरी बॉर्डर से दिल्ली में प्रवेश करें। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, जलभराव के कारण एनएच-9 पर यातायात की रफ्तार प्रभावित हुई है। लोगों से अपील की गई है कि वे घर से निकलने से पहले ट्रैफिक की स्थिति की जानकारी लेकर ही यात्रा करें और वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें। अधिकारियों का कहना है कि जलनिकासी का कार्य तेजी से कराया जा रहा है, ताकि जल्द से जल्द यातायात सामान्य हो सके।

ट्रांसफार्मर से लदी पिकअप गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार पीएसी जवान की दर्दनाक मौत

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव रतनपुर भट्टे के सामने बृहस्पतिवार की सुबह ट्रांसफार्मर से लदी पिकअप गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार पीएसी के जवान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। खानपुर थाना क्षेत्र के गांव जवासा निवासी प्रशांत जाटव 41 वी बटालियन में सिपाही के पद पर गाजियाबाद में तैनात था।बताया जाता है कि बृहस्पतिवार की सुबह प्रशांत का बुलंदशहर में कोई कार्य था।कार्य

करके वह बाइक से गांव जा रहा था। औरंगाबाद जहांगीराबाद मार्ग स्थित रतनपुर के भट्टे के सामने जहांगीराबाद की ओर से तेज गति से आ रही ट्रांसफार्मर से लदी पिकअप गाड़ी ने अज्ञात वाहन को बचाने के प्रयास में बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार पीएसी जवान प्रशांत गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना

पर आसपास गांव के ग्रामीण मौके पर पहुंचे ओर पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पर पुलिस ओर एंबुलेंस मौके पर पहुंची। लेकिन तब तक प्रशांत (31) वर्ष ने दम तोड़ दिया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप गाड़ी में लदे ट्रांसफार्मर सड़क किनारे गहरी खाई में जाकर गिर पड़े। जबकि पिकअप गाड़ी पेड़ से टकराकर पलटने से बची। थाना पुलिस ने मृतक जवान के परिजनों को कॉल कर घटना की सूचना दी।सूचना पाकर रोते बिलखते हुए परिजन मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक के छोटे भाई विनय कुमार ने पिकअप चालक के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। औरंगाबाद थाने के कार्यवाहक एसओ सतीश कुमार ने बताया कि पिकअप को कब्जे में ले लिया गया है।फरार चालक की तलाश की जा रही है।

औरंगाबाद में कई स्थानों पर जलभराव, ईओ ने लिया जायजा

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के औरंगाबाद में बुधवार से लगातार हो रही बारिश से नगर में सदर बाजार, बालका रोड,जंगलीपीर, भावसी चौराहा,नई बस्ती,दिल्ली दरवाजा समेत कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया।पूर्व सभासद होशियार लोधी के मकान में एक फुट पानी भर गया।बृहस्पतिवार सुबह नगर पंचायत के ईओ रोहित सिंह कर्मचारियों के साथ सदर बाजार में पहुंचे,जहां बुधवार को रात दस बजे तक पानी भरा हुआ था।व्यापारियों की सूचना पाकर शिवकुमार गुप्ता भी मौके पर

आ गए। ईओ ने व्यापारियों से दुकानों के आगे कर रखें अतिक्रमण को हटाने की बात करते हुए कहा कि नालों की सफाई होनी जरूरी है,ताकि बारिश का पानी बाजार में न भर सके।शिवकुमार गुप्ता ने बताया कि व्यापारियों ने अतिक्रमण को हटा लिया है। दुकानों के आगे बने नाले से ही सिल्ट निकलवाकर उसे फिकवाया जाये,ताकि व्यापारियों को कोई परेशानी न हो। ईओ ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया।

बारिश में सड़क पर उतरे किसान, सड़क में गड्ढों के खिलाफ बड़ा आंदोलन

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- कांवड़ यात्रा से पहले गढ़ मेरठ रोड को गड्ढा मुक्त कराने की मांग को लेकर भाकियू संघर्ष (अराजनैतिक) ने शहीद पार्क पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। तेज बारिश भी किसानों का हौसला नहीं तोड़ सकी। राष्ट्रीय अध्यक्ष सरनजीत सिंह गुर्जर अपने समर्थकों के साथ सड़क पर बैठ गए। बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकताओं ने खराब सड़क को लेकर प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की। 9 जुलाई के धरने का ऐलान पहले ही किया जा चुका था। स्थिति को देखते हुए गढ़मुक्तेश्वर पुलिस पूरे समय मौके

पर मुस्तैद रही। वहीं नायब तहसीलदार वेद प्रकाश सोनी, ने मौके पर पहुंचकर संबंधित अधिकारियों को बुलाया और जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। कांवड़ यात्रा सिर पर है ऐसे में सवाल यह है कि क्या समय रहते गढ़झमेरठ रोड गड्ढा मुक्त होगी, या श्रद्धालुओं को बदहाल सड़क से ही गुजरना होगा?

थाना क्षेत्र में संदिग्ध हालत में महिला की मौत

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव शंकरपुर निवासी एक महिला की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मृतका के भाई ने तीन को नामजद कर स्थानीय पुलिस को हत्या की तहरीर दी है।फोरेंसिंक टीम व थाना पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। घटना के बाद से ससुराल वाले फरार है। जानकारी के अनुसार थाना ककोड़ के गांव अजय नगर निवासी सुनील कुमार पुत्र विजयपाल सिंह पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि उसकी बहन रूबी 38 वर्ष की हत्या उसके पति खुशीराम व उसकी भतीजी व भाभी ने की है। आरोप है

कि इसका एक रिश्तेदार जो पुलिस में है घटना के लिए उकसा रहा था तथा उन्हें सह दे रहा था और तीन दिन पहले आरोपियों ने रूबी के साथ मारपीट की थी जिसके चलते वह मायके पहुंच गई थी। इसके बाद आरोपी पति खुशीराम वहां भी पहुंच गया और आपसी समझौते के बाद रूबी को शंकरपुर ले आया था, रास्ते में भी मारपीट की थी। शिकायत करने पर मृतका व उसके भाई को धमकी दी थी। बुधवार को आरोपी ने फोन करके बताया कि रूबी ने फांसी लगा ली है। पीड़ित जब वहां पहुंचा तो ससुराल वाले वहां नहीं मिले फरार हो गये। आरोप है कि मृतका के तन से गहने भी उतार लिये थे। मौत के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

मृतका का बेटा नकुल 14 वर्ष बेटी पीहू 12 वर्ष है।इस मामले में एसओ नरसेना रामकिशोर गौतम ने बताया कि जांच करने पर पता चलता है कि महिला के फांसी लगाने की बात सामने आई है । पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

भारत विकास परिषद गौरव ने लगाया निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारत विकास परिषद गौरव शाखा द्वारा डॉ. सूरज प्रकाश जयंती पर सेवा पखवाड़े के अंतर्गत डीएम रोड स्थित फ्रेंड्स कार्नर पर निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रांतीय संगठन मंत्री राजीव गुप्ता एवं शाखा अध्यक्ष विजय गर्ग ने दीप प्रज्वलित कर किया। दंत चिकित्सक डॉ. नवीन छावड़ा और डॉ. पराशर मांगलिक ने मरीजों के दांतों की निःशुल्क जांच कर उचित परामर्श दिया तथा नियमित दंत परीक्षण और झोलाछाप चिकित्सकों से बचने की सलाह दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजीव गुप्ता को पौधा एवं चिकित्सकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

दो दिनों से हो रही लगातार तेज बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र में दो दिनों से रही लगातार तेज बरसात से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया।वही दूसरी ओर सारी रात विघुत आपूर्ति भी बंद रही। बुधवार से हो रही लगातार तेज बरसात से जहां जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है,,वही दूसरी ओर लोगों ने भयंकर और उमस भरी गर्मी से राहत पाई

है। लगातार हो रही बरसात से मौसम भी सुहाना हो गया है। किसान भूदेव त्यागी जागेश त्यागी मनोज त्यागी का कहना है कि इस लगातार हो रही बरसात से धान की फसल को फायदा हुआ है,इस समय धान की रोपाई का समय चल रहा है। बरसात का पानी प्रत्येक जन के यहां बरसता है, किसान के लिए सोने की बरसात हुई है। वही बुगरासी बिजली घर पर तैनात जेई श्रीराम का कहना है कि तेज बारिश व तेज हवा के साथ हुई बरसात में से विघुत फाल्ट के कारण सप्लाई बंद पड़ी है। कर्मचारी काम पर लगे हैं। फाल्ट निकलते ही सप्लाई चालू कर दी जायेगी।

मेन बाजार में जल भराव से व्यापारियों की आफत अधिशासी अधिकारी के दावों की निकली हवा

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- गुरुवार सुबह अधिशासी अधिकारी ने मेन बाजार में जल भराव खत्म कराने का दावा किया लेकिन चार घंटे बाद ही औरंगाबाद के मेन बाजार में जल भराव हो गया। सड़क पर बहते गन्दे पानी से होकर गुजरने को बाध्य होना पड़ा राहगीरों को। औरंगाबाद मेन बाजार में जल भराव खत्म कराने के तमाम दावों की उस समय पोल खुल गई जब गुरुवार को दोपहर सड़क पर बहते गन्दे पानी से तालाब बन गए। लबालब भरा पानी नगर पंचायत के सर्वेसवाओं के तमाम दावों को ठैगा

दिखाते नजर आया। मेन बाजार में जल भराव की समस्या अब नई नहीं रह गई है। मामूली बारिश से मेन बाजार में जल भराव हो जाने से दुकानदारों की जान सांसत में फंसकर रह जाती है। बुधवार को नगर पंचायत कर्मियों ने चौराहे के नाले पर लगे जाल को हटवा कर साफ सफाई कराकर जलभराव समस्या से निजात दिलाने का दावा किया। गुरुवार सुबह अधिशासी अधिकारी रोहित कुमार ने भी मौका मुआयना कर जलभराव ना होने देने का आश्वासन दिया। लेकिन चार घंटे बाद ही तमाम दावे फुस्स हो गये। मेन बाजार में दुकानों में पानी भरने लगा और व्यापारी समस्या से जूझते नजर आए। व्यापारियों का कहना है कि जब तक चौराहे पर स्थित नाले की चौड़ाई और गहराई नहीं बढाई जायेगी तब तक मेन बाजार में जल भराव खत्म कराने की कल्पना ही कोरी मृगतृष्णा साबित होगी।

जेएनयू महानदी हॉस्टल अलॉटमेंट के नियम बदले, पति या पत्नी की सैलरी जेआरएफ से ज्यादा तो नहीं मिलेगा कमरा

नई दिल्ली। जेएनयू के विवाहित शोधार्थियों के लिए बने महानदी (एमआरएसएच) छात्रावास के आवंटन में इस बार आर्थिक पात्रता को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। शैक्षणिक सत्र 2026 के लिए जारी अंतिम वरिष्ठता सूची में ऐसे कई आवेदकों को छात्रावास के लिए अपात्र घोषित किया गया है, जिनके जीवनसाथी की आय यूजीसी- सीएसआईआर की जेआरएफ एसआरएफ फेलोशिप से अधिक पाई गई। किसी का जीवनसाथी निकला सरकारी कर्मचारी तो कोई...सत्यापन के दौरान किसी आवेदक का जीवनसाथी सरकारी कर्मचारी मिला तो कोई बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत पाया गया। इसके आधार पर उनके हॉस्टल पात्रता के दावे को खारिज कर दिया गया। किन कारणों से आवेदकों को पात्र नहीं माना गया? जेएनयू के इंटर हॉल एडमिनिस्ट्रेशन (आइएचए) ने विवाहित शोधार्थियों के लिए महानदी-एमआरएसएच हॉस्टल की अंतिम वरिष्ठता सूची जारी कर दी है। पात्र अभ्यर्थियों के लिए सोमवार से छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किन कारणों से कुछ आवेदकों को पात्र नहीं माना गया। प्रशासन के अनुसार, एक मामले में आवेदक के

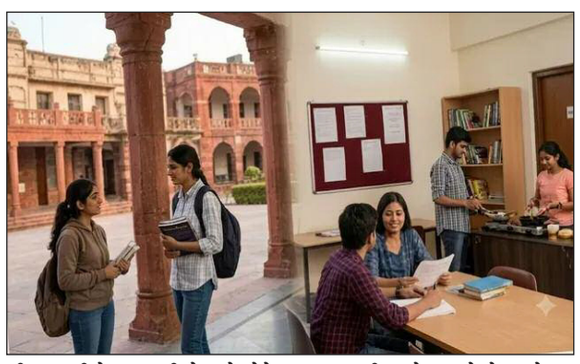

जीवनसाथी के सरकारी सेवा में होने और यूजीसी-सीएसआइआर जेआरएफ-एसआरएफ फेलोशिप से अधिक वेतन एवं भत्ते प्राप्त करने के कारण आवेदन अस्वीकार किया गया। वहीं दूसरे मामले में आवेदक के जीवनसाथी के निजी क्षेत्र की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत होने तथा फेलोशिप से अधिक आय प्राप्त करने का हवाला देते हुए हॉस्टल पात्रता नहीं दी गई। कुछ अन्य आवेदनों में अभ्यर्थी के डे-स्कालर होने अथवा निर्धारित पात्रता शर्तें पूरी नहीं करने के कारण भी आवेदन खारिज किए गए हैं। 30 हजार सिक्योरिटी और 5 हजार किराया इसी वर्ष मई में जेएनयू प्रशासन ने महानदी विवाहित शोधार्थी छात्रावास के आवंटन नियमों और शुल्क संरचना में व्यापक बदलाव किए थे। संशोधित नियमों के तहत 30 हजार रुपये का रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपाजिट, स्थापना शुल्क तथा प्रति माह पांच हजार रुपये कमरे का किराया निर्धारित किया गया है। इन बढ़ी हुई फीस और नए नियमों को लेकर जेएनयू छात्र संघ लगातार विरोध भी दर्ज करा रहा है। छात्रावास आवंटन को लेकर क्या है नया नियम? नए नियमों के अनुसार, छात्रावास आवंटन में गर्भवती शोधार्थियों और स्तनपान कराने वाली माताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा पीएचडी में प्रवेश की तिथि से अधिकतम चार वर्ष तक ही विवाहित शोधार्थी इस छात्रावास में रह सकेंगे। प्रशासन का कहना है कि इन प्रावधानों का उद्देश्य सीमित सीटों का जरूरतमंद और पात्र शोधार्थियों के बीच अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से आवंटन सुनिश्चित करना है।

जानकारी

प्रेगनेंट महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद होती है चॉकलेट

प्रेगनेंसी के दौरान डॉक्टर महिलाओं को खाने-पीने की कई चीजों से दूर रहने की सलाह देते हैं।चॉकलेट भी ऐसी ही कुछ चीजों में शामिल होती है। इसमें मौजूद फैट, शुगर और कैफीन मां और बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि, एक नए शोध की मानें तो गर्भावस्था के दौरान चॉकलेट खाने से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को कम किया जा सकता है।

ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहता है

कोको से बनी चॉकलेट खाने का सबसे पहला फायदा यह होता है कि इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन ठीक बना रहता है, जिसकी वजह से भ्रूण के पास मां का पर्याप्त खून पहुंच पाता है।

आयरन और मैगनीशियम से भरपूर

इसमें बहुत सारा मैगनीशियम और आयरन मौजूद होता है, जिसकी वजह से महिला के शरीर में खून की कमी नहीं होती है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम से फैटी एसिड कामेटाबॉलिज्म बढ़ता है।

दिल की बीमारी से राहत

प्रेगनेंसी के समय चॉकलेट खाने से दिल मजबूत बनता है, जिसकी वजह से व्यक्ति को दिल से जुड़ी बीमारी नहीं होती।

कोलेस्ट्रॉल की मात्रा घटती है

डार्क चॉकलेट में चीनी और वसा की मात्रा बेहद कम होने की वजह से यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा घटा कर रखती है।

तनाव से छुटकारा दिलाए

यह ब्लड प्रेशर को मेंटेन करने के साथ तनाव के लेवल को भी कम करती है।

हृदय और मस्तिष्क तनाव पर असर डालता है

इंसान के शरीर में तनाव झेलने की क्षमता होती है, लेकिन एक सीमित समय तक। ताजा अध्ययन में पता चला है कि तनाव जब लंबे समय तक बना रहता है तो यह कई तरह से घातक साबित होता है। इसका सबसे ज्यादा असर हृदय, मस्तिष्क और अहम अंगों पर पड़ता है। यूं तो दुनियाभर में तनाव के खतरों पर रिसर्च हो रही है, तनाव कम करने के लिए उपाय भी तलाशे जा रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि नई पीढ़ी पर इसका जोरदार हमला हो चुका है, इससे भारत भी अछूता नहीं है। जानिए तनाव के मुख्य कारण, इससे शरीर को होने वाले नुकसान और बचने के उपायों के बारे में-

तनाव के कारण अलग-अलग हो सकते हैं। काम का दबाव, आपसी रिश्तों की खटास या आर्थिक तंगी, कारण चाहे जो हों, लेकिन असर एक जैसे हैं। तनाव जितना ज्यादा रहेगा, हमारे शरीर को स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल से जूझना पड़ेगा। कुछ मामले में तनाव स्थायी हो जाता है और यह स्थिति बहुत बुरी होती है।

शरीर को ऐसे पहुंचाता है नुकसान

शरीर में लंबे समय से तनाव बना हुआ है तो यह दिमाग पर असर डालता है। इंसान की मानसिक शक्ति कमजोर होती जाती है। उसका मूड बनता-बिगड़ता रहता है। थोड़ा तनाव अच्छा होता है। इससे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, लेकिन तनाव लंबे समय से बना हुआ है तो प्रतिरोधक क्षमता घटा देता है। ऐसे इंसान पर बीमारियां हावी होने लगती हैं। लंबे समय से शरीर में तनाव है तो इसका असर एक किस्म की व्हाइट ब्लड सेल साइटोटोक्सिक टी लिम्फोसाइट्स की कार्यक्षमता पर पड़ता है, जो शरीर को कैंसर जैसी बीमारी से लड़ने की ताकत देती है।

समझिए हार्ट पर कैसे करता है अटैक

जब कोई इंसान तनाव में होता है तो शरीर का नर्वस सिस्टम सिम्पेथेटिक अल्फा-एड्रीनर्जिक रिसेप्टर्स रिलीज करता है। इसके साथ ही गुर्दे से जुड़ी ग्रंथियां रक्त में कैटेकोलामाइन या तनाव हार्मोन जारी करती हैं। इन दोनों (रिसेप्टर्स और हार्मोन) के मिलने से हृदय की धड़कनें बढ़ती हैं। इस कारण हाथ, पैर और हार्ट की तरफ रक्त का प्रवाह बढ़ता है। नतीजन शरीर में ऑक्सीजन की जरूरत बढ़ती है और यह जरूरत पूरी नहीं होती है तो सीधा असर हार्ट पर पड़ता है और अटैक की आशंका रहती है।

न भूख लगेगी, न खाया हुआ पचेगा

तनाव का शरीर पर एक और बड़ा हमला गैस्ट्रोइन्टेस्टनल सिस्टम यानी जठरांत्र प्रणाली या पाचन प्रणाली पर होता है। यह हमला दो मोर्चों पर होता है। पहला - तनाव में इंसान को भूख नहीं लगती और दूसरा - वो जो भी खाता है, वो पचता नहीं है। इसके कारण इरिटेबल बाउल सिन्ड्रॉम (IBS) जैसे डिस्ऑर्डर पैदा होते हैं। IBS से सबसे ज्यादा नुकसान बड़ी आंत को होता है। यानी तनाव हमारी आंतों पर भी नकारात्मक असर डालता है।

तनाव से डरे नहीं, ऐसे करें सामना

विभिन्न रिसर्च में कहा गया है कि थोड़ा-बहुत तनाव जिंदगी का हिस्सा है। हमें यह समझना होगा कि तनाव से कैसे निपटा जाए। परिस्थितियों का सामना सही तरीके से करेंगे तो तनाव का बुरा असर नहीं होगा। कितना भी काम हो, कितना भी तनाव हो, रिलेक्स होने का समय निकालें। कोई समस्या है तो अपने रिश्तेदारों-दोस्तों से बात करें। समस्याओं का सही हल, तनाव से निजात दिला सकता है। तनाव को दूर रखना है तो खुद को सेहतमंद रखें। अच्छा खाएं, योगा-प्राणायम, व्यायाम करें। पैदल चले, स्वीमिंग करें, दौड़े- किसी भी तरह की ऐसी वर्जिश दिन में कम से कम 35 मिनट जरूर करें। ऐसा करने पर अच्छा महसूस होगा और शरीर में खुशी पैदा करने वाला एंडोर्फिन यानी हैप्पी हार्मोन दिनभर बना रहेगा।

तनाव से मुक्ति चाहते हैं तो दिन में कम से कम 7 से 8 घंटे जरूर सोएं। वैज्ञानिकों ने अब पता लगा लिया है कि अच्छी नींद का हेल्दी हार्ट और हेल्दी ब्रेन के साथ पक्का संबंध है। जब हम सोते हैं तब हमारा दिमाग सूचनाओं को खंगालता है। अगली बार यदि कोई आइडिया चाहिए तो संबंधित टॉपिक पर रिसर्च करने के बाद सो जाएं, उठेंगे तो शानदार आइडिया मिलेगा। हां, यह जरूर देखे लें कि आइडिया मिलने के बाद प्रजेंटेशन बनाने के लिए कितना समय मिलेगा, क्योंकि जो लोग जरूरी काम को अंतिम समय तक टालते हैं, वे ज्यादा तनाव में रहते हैं। अपने हर काम को अच्छी तरह प्लान करें। किसी भी योजना पर काम शुरू करने से पहले अच्छी और बुरी बातों का अध्ययन जरूर कर लें। इससे आप गैरजरूरी तनाव से बचे रहेंगे।

सुझाव

चंद दिनों में मस्सों को जड़ से गायब कर देगा केला

बेदाग खूबसूरत त्वचा का सपना हर कोई देखता है, लेकिन चेहरे की ये खूबसूरती उस समय फीकी पड़ जाती है, जब चेहरे पर किसी जगह मस्सा उग आए। चेहरे पर ही नहीं मस्से शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकते हैं।

हालांकि वैसे तो मस्से व्यक्ति को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, लेकिन यह आपके लुक को प्रभावित कर सकते हैं और आपकी सुंदरता को बिगाड़ सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं आखिर कैसे इन बिन बुलाए मेहमानों से बड़ी आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है।

केले का छिलका

केला ही नहीं इसके छिलकों के भी बेशुमार फायदेमंद हैं। सेहत बनाने के साथ इसका छिलका आपकी खूबसूरती में भी चार चांद लगा सकता है। केले के छिलके में मस्से को सुखाने की क्षमता अदभुत होती है। इसके लिए आप रात को शरीर में मस्से वाली जगह पर केले के छिलके को रखकर उस पर एक कपड़ा बांध लें। ऐसा तब तक करें जब तक कि शरीर की उस जगह से मस्सा साफ न हो जाए।

बेकिंग सोडा

शरीर से मस्सा हटाने के लिए एक चम्मच बेकिंग सोडा में कुछ बूंदें कैस्टर ऑइल डालकर इस पेस्ट को मस्से पर लगाकर हल्के हाथों से उस जगह की मसाज करें। ऐसे नियमित एक घंटे तक करें। चेहरे को एक घंटे बाद स्वच्छ पानी से धो लें। इस तरह से एक महीने में आपको मस्सों की परेशानी से निजात मिल जाएगी।

लहसुन का पेस्ट

लहसुन में पाए जाने वाले एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण त्वचा से मस्से हटाने में मदद करता है। मस्से हटाने लहसुन की दो कलियां लेकर उनका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को मस्से पर एक घंटे तक लगाकर रखें। थोड़ी देर बाद त्वचा को पानी से धो लें। दिन में दो बार इस उपाय को करें।

डॉक्टर से सलाह अवश्य लें

मस्से हटाने के लिए किए गए इन उपायों को करते समय अगर आपको किसी तरह की कोई जलन या परेशानी महसूस हो तो तुरंत उस जगह को साफ कर लें और फिर अपने डॉक्टर से सलाह लें।

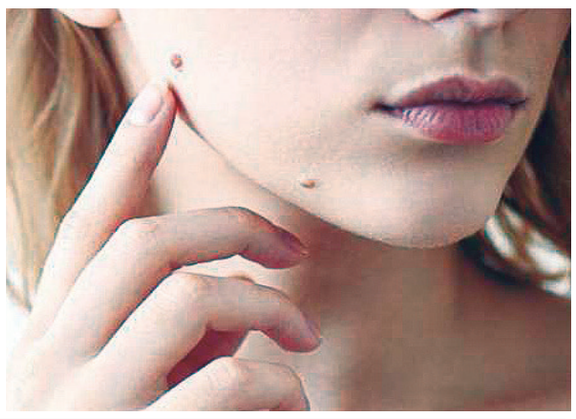

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3943

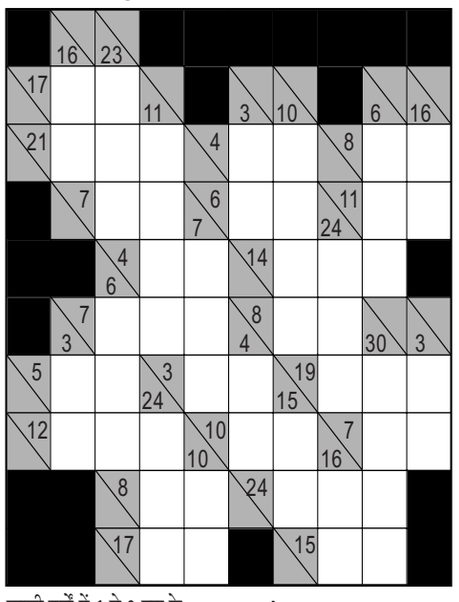

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

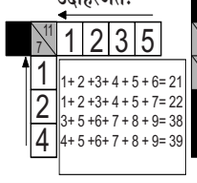

काकुरो - 3942 का हल

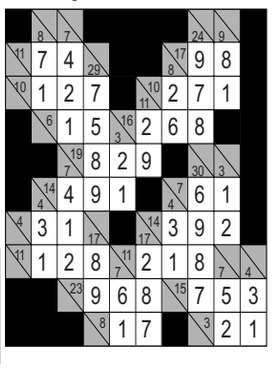

हंसी के फव्वारें

शक्ल-सूरत से एकदम भोली दिखती एक जवान लड़की डॉक्टर के सामने बैठी हुयी थी. डॉक्टर ने उसका शारीरिक परीक्षण करने के बाद कहा,'मेरा ख्याल है कि तुम्हारे बच्चा होने वाला है.'क्षण भर रुककर वह बोला,'और यह संभव है कि तुम्हारे जुड़वां बच्चे हों.'

'लेकिन डॉक्टर साहब यह कैसे हो सकता है?' लड़की ने चकित स्वर में कहा,'मैं अपने जीवन में एक बार में कभी दो से नहीं मिली हूँ.'

□ □ □

घरवाली ने जरा खीझते हुए आदमी से बोली,'घर में जवान बेटी बैठी है और तुम्हें कोई चिंता नहीं,हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हो.कुछ भाग-दौड़ करो...'

आदमी ने एक गहरी सांस लेते हुए कहा,'भागवान, कोई सही-सा लड़का मिले तो बात आगे...'

तड़-से घरवाली बीच में ही बात काटते हुए हाथ घुमाकर बोली,'सोचो, अगर मेरे पिताजी भी सही लड़के की खोज करते,तो फिर तुम्हारा क्या होता?'

□ □ □

पति ने चिड़चिड़े लहजे में कहा,'इस वक्त मुझे तंग मत करो, मेरे दिमाग में आग लगी है...'

'ओह !' पत्नी बोली, 'तभी तो मैं सोच रही थी कि चमड़ा जलने की बदबू कहां से आ रही है !'

फिल्म वर्ग पहेली- 3943

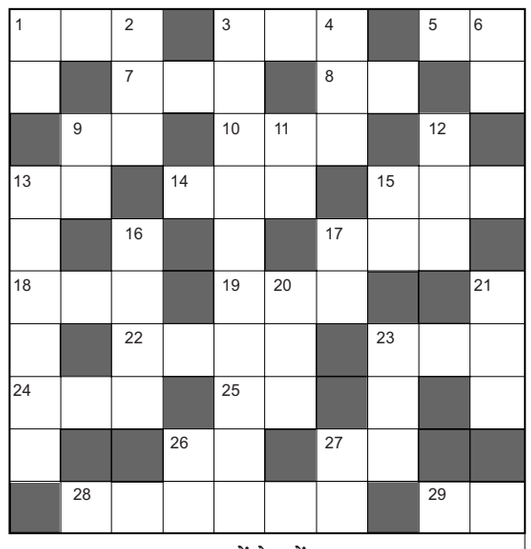

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3942

सं	न्या	सी		ह	मे	शा		खौ	फ
ध्या		मा	सू	म		र	क्षा		र्ज
	रे		र		सौ	दा		त्रि	
ना	जा	य	ज		त		श्री	दे	वी
ग		की		जा	न	म		व	
म	हा	न		गृ		द	म		मा
णि			प्र	ति	का	र		ज	या
	फ	र	हा		लि			मा	
रैं	की		र	जि	या	सु	ल्ला	न	
	रा	खी		स्म		र		त	ब्बू

सूडोकु -3943

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3942 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 3943

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर, खुदा, भगवान-2

शब्द पहेली -3942 का हल

		म	ल	म	ल			र	ह	न	
चा	य			हा		जा	सू	स		शा	म
दु				रा	श	न		म			न
का	र	गु		जा	री		का		दु	का	न
र		ना			फ	न	का	र		फि	
	चा	ह							भ	ला	
		ह		अ	च	क	न		वं		अ
क	त	रा			र्म		क	म	र	बं	द
म				ब		ला	ल	च			र
र	न			ल	की	र		ल		आ	क
	म	ज		मा			अ	ना	या	स	

वाइल्डकार्ड एंट्री से लॉकअप 2 में पहुंचीं शिल्पा शिंदे

'लॉकअप सीजन 2' में भरपूर ड्रामा देखने को मिल रहा है। प्रतिभागी अपनी जिंदगी से जुड़े नए-नए और दिलचस्प खुलासे कर रहे हैं। शो के इस ड्रामे में अब और भी तड़का लगने वाला है। शिल्पा शिंदे भी इस रियलिटी शो में पहुंच चुकी हैं। उन्होंने पहली वाइल्डकार्ड प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लिया है। अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने आधिकारिक तौर पर इस शो में एंट्री की।

'लॉकअप 2' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में खूब गरमागरम बहस, इमोशनल खुलासे हो रहे हैं। पहला एविक्शन हो चुका है। शिल्पा शिंदे के घर में पहली वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर आने से, कॉम्पिटिशन के एक और ड्रामैटिक मोड़ लेने की उम्मीद है। मेकर्स ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक प्रमोशनल वीडियो शेयर करके 'लॉकअप 2' में शिल्पा शिंदे की एंट्री की घोषणा की। क्लिप में वह कॉन्फिडेंस से कहती हैं, 'सुना है सब लोग अंदर अपनी-अपनी गाड़ी जमाए बैठे हैं। लेकिन उन्हें कह दो जब तक कोई बाहर का अंदर कदम नहीं रखता, तब तक ही उनका राज चलता रहेगा'।

सामने आए वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है, 'सही पकड़े हैं! अब गेम पटलने वाला है'। बता दें कि भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के पॉडकास्ट पर आने के बाद हुए विवाद के बाद शिल्पा की एंट्री हुई है। बातचीत के दौरान, उन्होंने टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर्स के साथ अपने झगड़े के बारे में बात की थी। बातचीत में शिल्पा शिंदे ने बताया था कि शो छोड़ने के बाद और बकाया पेमेंट को लेकर हुए झगड़े के बीच उन्होंने प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें बहुत फंसा हुआ महसूस हो रहा था और उन्होंने इस कदम को आखिरी रास्ता बताया। शिंदे ने यह भी कहा कि बाद में मामला सुलझ गया और उन्हें उनके बकाया पैसे मिल गए'।

आखिरी सांस तक करूंगी एक्टिंग

सुमोना चक्रवर्ती ने लंबे समय से एंडोमेट्रियोसिस से जूझने के बाद इसकी सर्जरी कराई है। उन्होंने कहा कि इसे संभालने की कोशिशों के बावजूद यह बीमारी बहुत ज्यादा बढ़ गई थी। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया पर दी। उनके मुताबिक उन्होंने लगभग दो महीने तक सोशल मीडिया से ब्रेक लिया था।

उन्होंने पिछले कुछ हफ्ते अपनी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने में बिताए। सुमोना चक्रवर्ती ने कहा कि अब वह ठीक हैं। बल्कि, बहुत अच्छी हैं। उनकी पोस्ट सिर्फ उनकी सेहत के अपडेट तक ही सीमित नहीं थी। उन्होंने सोशल मीडिया से दूर रहने के अपने समय के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें वर्षों से ऑनलाइन किस तरह की प्रतिक्रियाएं मिली हैं। उन्होंने कहा कि अब वह डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके एक जैसी सोच वाले लोगों, खासकर महिलाओं का एक समुदाय बनाना चाहती हैं।

सुमोना की हुई सर्जरी

अपनी पोस्ट की शुरुआत हल्के-फुल्के अंदाज में करते हुए चक्रवर्ती ने लिखा 'हेलो! लंबे समय बाद वापस आकर खुशी हो रही है। पिछले दो महीनों से मैं दुनिया-दारी से दूर रही हूं।' उन्होंने कहा उस समय के ज्यादातर हिस्से में वह जान-बूझकर सोशल मीडिया से दूर रही थीं। फिर उन्होंने बताया कि बीमारी के बढ़ जाने की वजह से एंडोमेट्रियोसिस को हटाने के लिए उनकी सर्जरी हुई थी।

सुमोना को मिले नकारात्मक कमेंट्स

चक्रवर्ती ने कहा कि कई नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं, मगर वह नकारात्मक कमेंट से परेशान नहीं होंगी। वह आखिरी सांस तक काम और एक्टिंग करती रहेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि उन्होंने अपनी ज्यादातर पर्सनल जिंदगी को प्राइवेट रखा है और आगे भी ऐसा ही करना चाहती हैं, लेकिन जब भी उनकी जिंदगी की कोई बात सच में किसी की मदद कर सकती है, तो वह जरूर बोलेंगी।

बॉलीवुड में उम्र संबंधी भेदभाव के खिलाफ ईशा कोप्पिकर ने उठाई आवाज

बॉलीवुड के कई सितारों ने ज्यादा उम्र के पुरुष कलाकारों के छोटी उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करने के खिलाफ आवाज उठाई है। अब इसमें नया नाम एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर का जुड़ गया है। उन्होंने इंडस्ट्री में उम्र संबंधी भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। ईशा कोप्पिकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा 'यह बहुत अजीब है, है ना? एक आदमी की उम्र बढ़ने को अनुभव कहा जाता है, जबकि एक महिला की उम्र बढ़ने को समस्या। फिल्मों में हम हीरो को अपनी आधी उम्र की लड़कियों के साथ रोमांस करते देखते हैं। वे उनके हीरो बन जाते हैं। यह बहुत नॉर्मल है।' उन्होंने आगे कहा 'अगर कोई महिला स्टाइलिश है, अपनी बात खुलकर रखती है और अपनी अलग पहचान को सेलिब्रेट करती है, तो उससे कहा जाता है कि इस उम्र में अपनी उम्र के हिसाब से व्यवहार करो। सच तो यह है कि समय के साथ, एक महिला कम नहीं होती, वह और गहरी होती जाती है। उसका कॉन्फिडेंस शोर नहीं मचाता। वह और मजबूत होता है। उसकी खूबसूरती सिर्फ उसके चेहरे में नहीं होती। यह उसके सफर में दिखती है। झुर्रियां सिर्फ उसकी उम्र नहीं दिखातीं, वे उसके संघर्षों को दिखाती हैं।'

नेटफ्लिक्स की फिल्म 'मुसाफिर कैफे' में नजर आएंगे विक्रांत मैसी

अभिनेता विक्रांत मैसी जल्द ही नेटफ्लिक्स की नई रोमांटिक फिल्म 'मुसाफिर कैफे' में नजर आने वाले हैं। निर्माताओं ने फिल्म का टीजर साझा किया। साथ ही निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। इस फिल्म में विक्रांत के साथ वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म 'मुसाफिर कैफे' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इस फिल्म में विक्रांत मैसी के साथ वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म की पहली झलक शेयर की है। यह फिल्म 24 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। 'मुसाफिर कैफे' के अलावा विक्रांत के पास कुछ और बड़े प्रोजेक्ट्स भी हैं। एक फिल्म में विक्रांत मशहूर आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर का रोल निभा रहे हैं। इस फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे उन्होंने कोलंबिया देश में 52 साल से चल रही आपसी लड़ाई को खत्म कराने और शांति लाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

फ्रेंचाइजी फिल्म नहीं स्टैंडअलोन फिल्म होगी 'वाराणसी'

एसएस राजामौली अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चाओं में हैं। भले ही यह फिल्म अगले साल रिलीज होनी है, लेकिन घोषणा के बाद से ही फिल्म लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। इस बीच राजामौली शूटिंग से ब्रेक लेकर फ्रांस में हुए एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे, जहां उनकी फिल्में 'आरआरआर' और 'ईगा' दिखाई गईं। इसी दौरान राजामौली ने एक मास्टरक्लास में अपनी आने वाली फिल्म 'वाराणसी' को लेकर बात की और कन्फर्म किया कि 'बाहुबली' के उलट, यह फिल्म किसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा नहीं, बल्कि एक स्टैंडअलोन फिल्म होगी। बातचीत के दौरान राजामौली ने बताया कि दर्शक 'वाराणसी' से क्या उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप अंटार्कटिका की ठंड और बर्फ का अनुभव करेंगे। रामायण के देवता, प्राकृतिक आपदाएं और शानदार तत्व यही सब अनुभव आपको मिलेगा, लेकिन इन सबके केंद्र में पिता और पुत्र की भावनाएं हैं। यही सब मिलकर आपके लिए 'वाराणसी' बनाते हैं। जब पूछा गया कि यह प्रोजेक्ट एक ही फिल्म होगी या फ्रेंचाइजी तो राजामौली ने जवाब दिया कि यह एक फिल्म है। एसएस राजामौली के निर्देशन और विजयेन्द्र प्रसाद की लिखी 'वाराणसी' में महेश बाबू, पृथ्वीराज और प्रियंका चोपड़ा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म माइथोलॉजी और भारतीय लोककथाओं को टाइम ट्रैवल जैसे साइंस-फिक्शन एलिमेंट्स के साथ मिलाकर एक ग्लोबल एडवेंचर बनाती है। फिल्म के एक सीक्वेंस में महेश बाबू भगवान राम के किरदार में भी नजर आएंगे। यह पूरा सीक्वेंस रामायण पर आधारित होगा। राजामौली ने हाल ही में बताया था कि फिल्म के मुख्य एक्शन सीन पहले ही पूरे हो चुके हैं और अक्तूबर तक शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है।

इन फिल्मी हस्तियों के पास है डॉक्टर की डिग्री

आपने कई फिल्मी सितारों को पर्दे पर डॉक्टर का किरदार निभाते देखा होगा। मगर, क्या आपको पता है कि फिल्मी दुनिया में कई ऐसे सितारे हैं, जिनके पास डॉक्टर की डिग्री है। इनमें से कुछ अब भी डॉक्टर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। चलिए जानते हैं...

अदिति गोवित्रिकर

आपने अदिति गोवित्रिकर को 'बाज', 'पहचान', 'हम कौन हैं?' जैसी फिल्मों में देखा होगा। मॉडलिंग की दुनिया में भी बड़ा नाम रहा। साल 2001 में मिसेज वर्ल्ड बनने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, लेकिन इन सबके पहले उनकी पहचान एक डॉक्टर की थी और दिलचस्प बात यह है कि इतने साल बाद भी वह पहचान उनसे कभी दूर नहीं हुई। खास बातचीत में अदिति ने बताया कि जिंदगी उन्हें फिल्मों तक जरूर ले आई, लेकिन लोगों की मदद करने का सपना आज भी वैसा ही है। अदिति आज भी लोगों के मेंटल हेल्थ से जुड़े मामलों पर काम कर रही हैं। उनका कहना है कि डॉक्टर की पढ़ाई आज भी उनके हर दिन के काम का हिस्सा है।

श्रीलीला

आज तेलुगु फिल्मों का चर्चित चेहरा हैं। उन्होंने अभिनय के साथ-साथ एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की और साल 2021 में डॉक्टर बनीं।

मेयांग चांग

मेयांग चांग को लोग गायक और अभिनेता के तौर पर जानते हैं, लेकिन उन्होंने बेंगलुरु के वी. एस. डेंटल कॉलेज से बीडीएस की पढ़ाई की है और वह पेशे से दंत चिकित्सक रह चुके हैं।

मोहन आगाशे

मोहन आगाशे ने एमबीबीएस के बाद मनोचिकित्सा में एमडी किया था। फिल्मों में आने से पहले वह मेडिकल क्षेत्र से जुड़े रहे।

मानुषी छिल्लर

मानुषी छिल्लर फिल्मों में आने से पहले एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थीं। लेकिन साल 2017 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया और मेडिकल की पढ़ाई बीच में ही छूट गई।

पलाश सेन

पलाश सेन को लोग बैंड यूफोरिया की वजह से जानते हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि उन्होंने एमबीबीएस किया है और वह हड्डी रोग विशेषज्ञ भी हैं।

श्रीराम लागू

दिग्गज अभिनेता श्रीराम लागू ने पुणे के बी. जे. मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस और एमएस किया था। पढ़ाई पूरी करने के बाद कुछ साल तक ईएनटी सर्जन के तौर पर काम किया, फिर अभिनय की दुनिया चुन ली।

साई पल्लवी

साउथ सिनेमा का बड़ा नाम हैं। प्रेमम से पहचान बनाने वाली साई ने जॉर्जिया की त्बिलिसी स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस किया है, हालांकि उन्होंने डॉक्टर के तौर पर प्रैक्टिस नहीं की।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।